घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 122- मंगलवार 03- मार्च 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

भारत को यूरेनियम देगा कनाडा

भारत-कनाडा अपने व्यापार को 2030 तक 50 अरब डॉलर तक ले जाएंगे : मोदी

नई दिल्ली,02 मार्च 2026। भारत और कनाडा 2030 तक अपना व्यापार 50 अरब डॉलर तक ले जाएंगे। दोनों देशों ने 'व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता' भी जल्द ही पूरा करने पर सहमति जतायी है। दोनों देशों के बीच सिविल न्यूक्लियर एनर्जी में दीर्घकालिक यूरेनियम आपूर्ति का ऐतिहासिक सौदा हुआ है। देश में भारत-कनाडा 'पल्स प्रोटीन उत्कृष्टता केंद्र' की स्थापना की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच सोमवार को दिल्ली के हैदराबाद हाउस में द्विपक्षीय प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई। वार्ता के बाद दोनों नेताओं की उपस्थिति में रक्षा,शिक्षा,कृषि एवं नवाचार जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर हुए समझौतों का आदान-प्रदान किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने प्रेस वक्तव्य में मेहमान नेता की दोनों देशों के संबंधों को गति देने के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि जल्द होने जा रहा व्यापार समझौता दोनों देशों में व्यापार और निवेश को बढ़ावा देगा। अति आवश्यक खनिजों को लेकर हुए समझौते से सप्लाई मजबूत होगी। अंतरिक्ष क्षेत्र में दोनों के स्टार्टअप और बिजनेस आपस में जुड़ेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और कनाडा अक्षय ऊर्जा तथा ऊर्जा स्टोरेज के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देंगे और इस वर्ष इससे जुड़ा एक सम्मेलन भारत में आयोजित किया जाएगा। रक्षा क्षेत्र में सहयोग को बढ़ाते हुए दोनों देशों ने भारत-कनाडा रक्षा डायलॉग की स्थापना का भी फैसला किया है। उन्होंने बताया कि कनाडा ने वैश्विक बायोफ्यूल और सोलर एनर्जी अलायंस में शामिल होने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री ने इस दौरान आतंकवाद और चरमपंथ को मानवता की साझा चुनौती बताया और कहा कि इसके खिलाफ दोनों देशों का सहयोग वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए बेहद जरूरी है। पश्चिम एशिया की वर्तमान स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री ने संवाद और कूटनीति के माध्यम से सभी विवादों के समाधान का समर्थन किया।

10 साल का यूरेनियमसप्लाई समझौता

पीएम कार्नी के इस दौरे का सबसे बड़ा मकसद भारत-कनाडा के बीच 10 साल का यूरेनियम सप्लाई समझौता है। बताया जा रहा है कि यह डील करीब 3 अरब डॉलर की हो सकती है। कनाडा दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा यूरेनियम उत्पादक देश है। भारत और कनाडा के बीच न्यूक्लियर कोऑपरेशन एग्रीमेंट 2013 में लागू हुआ था, जिसके बाद कनाडा ने भारत को यूरेनियम सप्लाई शुरू की थी। भारत अपने तेजी से बढ़ते परमाणु ऊर्जा क्षेत्र के लिए और अधिक यूरेनियम खरीदना चाहता है।

भारत में निवेश को बढ़ावा दे रहा कनाडा

भारत इस समय दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। कनाडा के सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, दोनों देशों के बीच सालाना व्यापार 21 अरब डॉलर से ज्यादा है। भारत में 600 से ज्यादा कनाडाई कंपनियां काम कर रही हैं। भारत से कनाडा को मुख्य निर्यात में दवाइयां, रत्न-आभूषण और समुद्री उत्पाद शामिल हैं। कनाडा के बड़े पेंशन फंड पहले से ही भारत में रियल एस्टेट और लॉजिस्टिक्स जैसे क्षेत्रों में बड़ा निवेश कर चुके हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने भारत में 100 बिलियन डॉलर (करीब 8 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा) का निवेश किया है। अब कनाडा इस निवेश को और बढ़ाना चाहता है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का कहना है कि दोनों देशों के बीच कभी-कभी राजनीतिक मतभेद रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद कनाडा भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था का भरोसेमंद साझेदार बना रहेगा।

देशभर में होलिका दहन...उज्जैन में महाकाल की विशेष आरती

भोपाल में सीएम यादव ने होली जलाई

मुंबई में लव-जिहाद की थीम पर होलिका दहन

नई दिल्ली,02 मार्च 2026। देशभर में होलिका दहन किया गया। दिल्ली, मुंबई, कई शहरों में पूजा के बाद होलिका दहन किया गया। मध्य प्रदेश में उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में शाम को विशेष आरती की गई। वहीं भोपाल में सीएम मोहन यादव ने अपनी पत्नी और अहमदाबाद में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने होली जलाई। ओडिशा के जगन्नाथ मंदिर में होली पर्व डोला पूर्णिमा के रूप में मनाया जा रहा है। भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा 'सुना भेषा' (स्वर्ण वेश) में दर्शन देंगे। भगवान श्री भुज, श्री पयर,रत्न कीरट,रत्न मुकुट, कंठी, बाहुटी जैसे 138 प्रकार के सोने के जेवर पहनेंगे। इनका वजन 200 किलो से अधिक होता है। मंगलवार को ग्रहण काल दोपहर 3:20 से शाम 6:47 बजे तक है। इसके चलते सुना भेषा रात 8 से 9 बजे के बीच होगा।

डोला मंडप में बैठाकर लगाएंगे गुलाल

जगन्नाथ संस्कृति प्रचारक पंडित पद्मनाभ त्रिपाठी शर्मा ने बताया कि यह महाप्रभु की 12 बड़ी यात्राओं में से एक है। पूरे देश में डोला के दौरान राधा-कृष्ण की पूजा की जाती है, लेकिन यहां डोला गोबिंद, भूदेवी और श्रीदेवी की पूजा की जाती है। भगवान को विशेष डोला मंडप में बैठाकर गुलाल लगाया जाता है।

एआई जेनरेटेड सबूतों पर फैसला लेना बिल्कुल गलत,इसका सीधा असर न्याय प्रक्रिया पर पड़ता है : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,02 मार्च 2026। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार आंध्र प्रदेश हाइकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस(एआई) की मदद से बनाए गए सबूतों पर फैसला लिखना गलत काम है। कोर्ट ने कहा कि ये कोई गलती से होने वाला काम नहीं है। जस्टिस पी एस नरसिम्हा और आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि इसके नतीजों और जवाबदेही की जांच करना चाहते हैं क्योंकि इसका सीधा असर फैसले की प्रक्रिया की ईमानदारी पर पड़ता है। कोर्ट ने इस मामले में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और बार काउंसिल ऑफ इंडिया को नोटिस जारी किया है। दरअसल, पिछले साल अगस्त में आंध्र प्रदेश की एक ट्रायल कोर्ट ने विवादित प्रॉपर्टी के केस में एआई से बनी तस्वीर के आधार पर फैसला दिया था। फैसले के खिलाफ आंध्र प्रदेश हाइकोर्ट में याचिका दायर की गई थी। इसी साल जनवरी में हाइकोर्ट ने भी याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में अपील की गई।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा...

अगर किसी फैसले का आधार गैर-मौजूद या नकली सबूत हों, तो यह सिर्फ गलती नहीं बल्कि गंभीर गलत आचरण (मिसकंडक्ट) है। ऐसे मामले में कानूनी कार्रवाई हो सकती है। अटॉर्नी जनरल, सॉलिसिटर जनरल और बार काउंसिल ऑफ इंडिया को नोटिस जारी किया जाता है। ट्रायल कोर्ट ने केस के दौरान विवादित प्रॉपर्टी की स्थिति देखने के लिए एक एडवोकेट-कमिश्नर नियुक्त किया था। याचिकाकर्ताओं ने कमिश्नर की रिपोर्ट पर ऑब्जेक्शन जताया।

पश्चिम बंगाल की जनता ममता सरकार के कुशासन से त्रस्त : शिवराज

कोलकाता,02 मार्च 2026। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में कानून व्यवस्था की स्थिति बद से बदतर हो चुकी है। राज्य की जनता ममता बनर्जी के कुशासन से त्रस्त है। मां, मानुष और माटी का नारा देने वाली तृणमूल कांग्रेस की सरकार में आज मां लहूलुहान है, माटी खून से सनी है और मानुष पीड़ित है। शिवराज ने यहां एक बयान में कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का मतलब उत्पीड़न,माफिया और भ्रष्टाचार है। उन्होंने कहा कि टी का मतलब टार्चर और ट्रेजेडी,एम का मतलब मनी, मर्डर और माफिया और सी का मतलब करप्शन, क्राइम और क्रूरता बन गया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बहन-बेटियों पर अत्याचार और अन्याय बढ़े हैं। घुसपैठ और तुष्टीकरण की नीति ने बंगाल में दंगे भड़काए हैं। हिंदुओं को त्योहार मनाने के लिए अनुमति लेनी पड़ती है,यह दुर्भाग्यपूर्ण है। तुष्टीकरण की राजनीति से गुंडों को बढ़ावा मिलता है। बंगाल की जनता अब यह सब और सहन नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में नौजवानों की नौकरियां भ्रष्टाचार ने छीन लीं। शिक्षक भर्ती घोटाले में हजारों युवाओं का भविष्य बर्बाद हुआ। नगरपालिका और स्थानीय निकायों की भर्तियों में भी घोटाले हुए। रोजगार के अवसर छीने गए और भर्तियों में बेईमानी की गई। जो अवसर बचे,वो भी घुसपैठियों को दे दिए गए।

यूपी में डबल इंजन सरकार से मिल रही सुविधा और सुरक्षा : योगी

नई दिल्ली,02 मार्च 2026। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि दो इंजन वाली सरकार राज्य के लोगों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। होलिका दहन शोभा यात्रा के दौरान एक सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास जमीनी स्तर से शुरू होता है। आज दो इंजन वाली सरकार सभी सुविधाएं और सुरक्षा प्रदान कर रही है। राज्य का विकास होगा तो देश का विकास होगा। विकास की इकाई ऊपर से नीचे नहीं, बल्कि नीचे से ऊपर की ओर जाती है। आदित्यनाथ ने कहा अपनाई जा रही शासन प्रणाली पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि विकास ऊपर से नीचे की ओर नहीं बढ़ता,बल्कि जमीनी स्तर से शुरू होता है। उन्होंने दोहराया कि समग्र राष्ट्रीय विकास हासिल करने के लिए गांवों, कस्बों और स्थानीय इकाइयों को मजबूत करना आवश्यक है।

राष्ट्रपति ने लखपति बिटिया, होली-दीपावली पर मुफ्त गैस सिलेंडर और सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड योजना का किया शुभारंभ

नई दिल्ली,02 मार्च 2026। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोमवार को दिल्ली सरकार की लखपति बिटिया योजना,होली-दीपावली पर मुफ्त गैस सिलेंडर योजना, सहेली पिंक स्मार्ट कार्ड और 40,642 बेटियों के खातों में 100 करोड़ रुपये प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) हस्तांतरण का शुभारंभ हुआ। राष्ट्रपति ने यहां के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। सैनिक के रूप में वे देश की सीमाओं की रक्षा कर रही हैं। वैज्ञानिक के रूप में प्रयोगशालाओं में शोध कर रही हैं। खेल प्रतिस्पर्धाओं में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का तिरंगा लहरा रही हैं। राजनीति, समाजसेवा, प्रशासन तथा व्यापार जगत-सभी क्षेत्रों में महिलाएं नई ऊंचाइयां छू रही हैं। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय राज्यमंत्री हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली के कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा और डा. पंकज कुमार सिंह मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि महिलाओं को शिक्षित बनाना,उनका आत्मविश्वास बढ़ाना और उनको प्रोत्साहन एवं सहयोग देना, हम सबका कर्तव्य है। हमें अपनी बेटियों को यह विश्वास दिलाना है कि वे सपने देखने और उन्हें पूरा करने की क्षमता रखती हैं तथा हम उनके सपनों को साकार करने में उनके साथ खड़े हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि नई दिल्ली देश की राजधानी है।

यहां देश के हर राज्य और क्षेत्र के लोग रहते हैं। यदि दिल्ली की महिलाएं सुरक्षित,शिक्षित,और आत्मनिर्भर होंगी, समाज के हर क्षेत्र में आत्मविश्वास के साथ नेतृत्व प्रदान करेंगी तब पूरे देश में सकारात्मक संदेश जाएगा। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज दिल्ली के इतिहास में नारी शक्ति के नाम एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया। यह केवल योजनाओं का शुभारंभ नहीं है। यह सम्मान का संकल्प है। यह विश्वास का विस्तार है। यह उस शक्ति का अभिनंदन है,जो हर घर की धुरी है, हर परिवार की ताकत है। उन्होंने कहा कि जब बेटी सशक्त होती है,परिवार सशक्त होता है। जब महिला आत्मनिर्भर होती है, समाज आत्मविश्वासी बनता है। जब नारी शक्ति आगे बढ़ती है, तब विकसित दिल्ली का मार्ग और स्पष्ट हो जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली की नारी शक्ति को अवसर,सुरक्षा और सम्मान मिलेगा, आज का दिन यही संदेश देगा। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति ही विकसित दिल्ली की नई पहचान बनेगी।

एआई समिट में शर्टलेस प्रदर्शन,यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को जमानत

नारे भड़काऊ नहीं थे,लोगों को डराने का सबूत नहीं : कोर्ट

नई दिल्ली,02 मार्च 2026। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने एआई समिट में शर्टलेस विरोध प्रदर्शन के मामले में गिरफ्तार इंडियन यूथ कांग्रेस के नौ कार्यकर्ताओं को सोमवार को जमानत दे दी है। कोर्ट ने कहा कि यह प्रदर्शन सिर्फ सरकार की आलोचना करने का तरीका था। इसलिए मुकदमा शुरू होने से पहले किसी को जेल में रखना कानून के मूल सिद्धांतों के खिलाफ होगा। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि प्रदर्शन के समय लगाए गए नारे भड़काऊ नहीं थे। उनमें कोई धार्मिक या क्षेत्रीय रंग नहीं था। किसी तरह की तोड़फोड़ या लोगों को डराने का भी कोई सबूत नहीं मिला। कोर्ट ने यह भी बताया कि प्रदर्शन करने वालों को सुरक्षा के साथ बाहर ले जाया गया था। कोर्ट ने कहा- आजादी अधिकार है और जेल केवल खास स्थिति में होनी चाहिए। पटियाला हाउस कोर्ट के न्यायिक मजिस्ट्रेट (फर्स्ट क्लास) रवि ने कृष्ण हरि, नरसिंह यादव, कुंदन कुमार यादव, अजय कुमार सिंह, जितेंद्र सिंह यादव, राजा गुर्जर, अजय कुमार विमल उर्फ बंटू, सौरभ सिंह और अरबाज खान की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया।

भारत रूस से 5 एस-400 सुदर्शन डिफेंस सिस्टम खरीदेगा

पाकिस्तान-चीन सीमा पर तैनात किया जाएगा

नई दिल्ली,02 मार्च 2026। भारत रूस से 5 नए एस-400 'सुदर्शन' एयर डिफेंस सिस्टम खरीदने की तैयारी में है। रक्षा मंत्रालय जल्द ही वायुसेना के प्रस्ताव को मंजूरी के लिए आगे बढ़ाएगा। न्यूज एजेंसी ANI ने सूत्रों के आधार पर सोमवार को बताया कि पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एस-400 सिस्टम के प्रदर्शन के बाद और खरीदने का निर्णय लिया गया है। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि नए सिस्टम को पूर्वी और पश्चिमी दोनों सीमाओं पर तैनात किया जाएगा। इससे चीन और पाकिस्तान, दोनों मोर्चों पर भारत की हवाई सुरक्षा क्षमता मजबूत होगी। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एस-400 सिस्टम ने अहम भूमिका निभाई थी और पाकिस्तान के 5-6 लड़ाकू विमानों और एक जासूसी विमान को 300 किलोमीटर से ज्यादा दूरी पर मार गिराया था। वायुसेना ने एस-400 को भारत की हवाई सुरक्षा रणनीति का गेम चेंजर बताया था। भारत और रूस के बीच 2018 में एस-400 सिस्टम के 5 स्क्वाड्रन खरीदने का समझौता हुआ था। अब तक इनमें से 3 स्क्वाड्रन भारतीय वायुसेना में शामिल होकर ऑपरेशनल हो चुके हैं, जबकि बाकी की आपूर्ति प्रक्रिया जारी है। वायुसेना एस-400 सिस्टम के लिए बड़ी संख्या में अतिरिक्त मिसाइलें भी खरीदने पर विचार कर रही है।

बंगाल में तुष्टिकरण से विकास नहीं हो सकता आठ लाख करोड़ के कर्ज में डूबा है राज्य : शाह

नई दिल्ली,02 मार्च 2026। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बंगाल में चुनावी बिगुल फूंका। उन्होंने पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना में एक जनसभा के दौरान तृणमूल कांग्रेस की नीतियों और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि तुष्टिकरण से राज्य का विकास नहीं हो सकता। शाह ने दावा किया कि राज्य आठ लाख करोड़ के कर्ज में डूबा है। शाह ने मदरसों को मिलने वाली आर्थिक मदद पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने दूसरे राज्यों के विपक्षी दलों की सियासत पर भी हमले बोले। उन्होंने बिहार, असम,तमिलनाडु जैसे राज्यों में परिवारवाद का आरोप लगाते हुए तेजस्वी यादव, गौरव गोगोई और एमके स्टालिन की राजनीति पर भी तीखी टिप्पणी की। आगे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा की परिवर्तन यात्रा का उद्देश्य राज्य में बदलाव लाना और बंगाल को घुसपैठियों से मुक्त करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा पश्चिम बंगाल में कथित भ्रष्ट तृणमूल कांग्रेस सरकार को हटाकर विकास का नया दौर शुरू करना चाहती है। शाह ने आरोप लगाया कि तुष्टीकरण की राजनीति के कारण राज्य का विकास प्रभावित हुआ है और बंगाल की स्थिति लगातार खराब हुई है।

ममता बनर्जी पर अमित शाह ने साधा निशाना

अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर गलती से फिर तृणमूल कांग्रेस सत्ता में लौटती है तो सरकार ममता बनर्जी नहीं बल्कि उनके 'भतीजे' द्वारा चलाई जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी राज्य के विकास में रुचि नहीं रखतीं और सिर्फ अभिषेक बनर्जी को मुख्यमंत्री बनाना चाहती हैं। शाह ने यह भी कहा कि पूर्व डीजीपी राजीव कुमार को राज्यसभा भेजा जा रहा है, जिनके कार्यकाल में बंगाल में भ्रष्टाचार बढ़ा।

घुसपैठियों पर कही ये बात

: गृह मंत्री ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल को घुसपैठियों के लिए सुरक्षित जगह बना दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर घुसपैठियों को राज्य से बाहर किया जाएगा और सीमा वाले राज्य की सुरक्षा मजबूत की जाएगी। शाह ने भरोसा दिलाया कि किसी भी हिंदू शरणार्थी की नागरिकता नहीं छीनी जाएगी। साथ ही उन्होंने वादा किया कि भाजपा सत्ता में आने पर राज्य सरकारी कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग के अनुसार वेतन सुनिश्चित करेगी।

पश्चिम बंगाल में गरजे राजनाथ सिंह..बोले...

'यह रैली नहीं,बंगाल में परिवर्तन की घोषणा है'

नई दिल्ली,02 मार्च 2026। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को 'एक देश, एक विधान, एक निशान' का नारा लगाते हुए पश्चिम बंगाल के लोगों से आगामी विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को वोट देने का आग्रह किया। 'परिवर्तन यात्रा' में सभा को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल 'परिवर्तन' के लिए तैयार है, जिसे उन्होंने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी लाएगी। उन्होंने कहा कि यह रैली पश्चिम बंगाल की परिवर्तन की 'घोषणा' है। सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल वीरों और क्रांतिकारियों की भूमि है, और उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सहित बंगाली परिवर्तनकर्ताओं के योगदान को रेखांकित किया। रक्षा मंत्री ने कहा कि बंगाल की मिट्टी में त्याग और आत्मसम्मान की भूमि है। यह नेताजी सुभाष चंद्र बोस की भूमि है। उन्होंने कहा था, 'मुझे रक्त दो, और मैं तुम्हें स्वतंत्रता दूंगा।' बंगाल की भूमि साधारण नहीं है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म यहीं हुआ था। उन्होंने कहा था कि इस देश में 'दो विधान', 'दो निशान' और 'दो प्रधान' नहीं चलेंगे। उस समय उन्होंने जो नारा लगाया था, वह मात्र नारा नहीं, बल्कि एक प्रतिज्ञा थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने उस प्रतिज्ञा को पूरा किया। अब इस देश में 'दो विधान', 'दो निशान' और 'दो प्रधान' कभी नहीं होंगे। यहाँ 'एक देश, एक विधान, एक निशान' होगा। श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने एक बार जम्मू-कश्मीर के संदर्भ में कहा था कि दो संविधान (विधान), दो शीर्ष प्रमुख (प्रधान) और दो ध्वज (निशान) का दोहरापन नहीं हो सकता।

समाहित है। मैं आपका उत्साह देख रहा हूं, और मैं कह सकता हूं कि 'परिवर्तन' की घोषणा बंगाल की धरती से हो। मैं कहना चाहता हूं कि परिवर्तन का समय आ गया है। अब छुकना मत। मैं इसे रैली नहीं मानता, मैं इसे बंगाल में परिवर्तन की 'घोषणा' मानता हूं। उन्होंने आगे कहा कि यह वीरों की भूमि है। यह क्रांतिकारियों

भारत अनेक भाषाओं की भूमि है,लेकिन इसकी आत्मा एक है : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली,02 मार्च 2026। भारत के उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आज उपराष्ट्रपति भवन में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित 16 महत्वपूर्ण पुस्तकों का विमोचन किया। ये पुस्तकें प्रख्यात तमिल विद्वानों, विरासत,वास्तुकला,साहित्य,संस्कृति और सभ्यतागत विचारों पर आधारित हैं। इन प्रकाशनों में उत्तर से दक्षिण भारत तक आध्यात्मिक एकता का प्रतीक पवित्र केंद्र रामेश्वरम, श्री रामानुजा का जीवन और दर्शन,ऐतिहासिक नाडुकल परंपरा,प्राचीन व्यापार केंद्र अरिकामेडु,नयनार और अलवारों का भक्ति साहित्य, प्राकृतिक कृषि परंपराएं,प्राचीन तमिल संगीत वाद्ययंत्र, तमिलनाडु के लोक देवता, उभरती वैज्ञानिक प्रौद्योगिकियां और मीनाक्षी अम्मन मंदिर एवं बृहदीश्वर मंदिर की स्थापत्य कला का अद्भुत नमूना शामिल हैं। मणिमेकलाई और महाविद्वान मीनाक्षी सुंदरम पिल्लई पर लिखी गई पुस्तकें भी इन प्रकाशनों का हिस्सा हैं। उपराष्ट्रपति ने बेहद गर्व और प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि आज विमोचित पुस्तकें तमिल सभ्यता की गहराई और विविधता को दर्शाती हैं।

संपादकीय

मुकदमों का बोझ बढ़ाती सरकार

प्रशासनिक तंत्र की जवाबदेही तय कर हो सकता है निदान...

भारत की न्याय व्यवस्था में लंबित मुकदमों का बोझ तेजी से बढ़ रहा है, जो दिसंबर 2025 तक 4.80 करोड़ से अधिक हो गया है। यह समस्या केवल न्यायाधीशों की कमी तक सीमित नहीं,बल्कि प्रशासनिक तंत्र की अक्षमता और सरकारी विभागों द्वारा अनावश्यक मुकदमों के कारण है...

भारत की न्याय व्यवस्था आज केवल लंबित मुकदमों की समस्या तक सीमित नहीं रह गई है,बल्कि यह न्याय-क्षमता और शासन-क्षमता के बीच बढ़ते असंतुलन की एक बड़ी कहानी बन गई है। दिसंबर 2025 तक के आंकड़े दर्शाते हैं कि पिछले पांच वर्षों में जिला एवं अधीनस्थ अदालतों में लंबित मामलों की संख्या लगभग 4.11 करोड़ से बढ़कर 4.80 करोड़ हो गई है।

इसी अवधि में उच्च न्यायालयों में लंबित मामले 53.1 लाख से बढ़कर 63.3 लाख और सर्वोच्च न्यायालय में यह संख्या 70 हजार से बढ़कर लगभग 90.7 हजार तक पहुंच गई है। वर्तमान में सर्वोच्च न्यायालय में औसतन प्रति वर्ष 193 कार्य दिवस हैं, जबकि उच्च न्यायालयों में 215 और ट्रायल कोर्ट (अधीनस्थ न्यायालयों) में 245 दिन काम होता है। भारत उन देशों में शुमार है जहां की न्यायपालिका साल में सर्वाधिक दिन कार्य करती है।

अमेरिका में यह अवधि मात्र 79 दिन है, जबकि आस्ट्रेलिया,कनाडा,सिंगापुर और ब्रिटेन की शीर्ष अदालतें क्रमशः 97,120,145 और 189 दिन ही बैठती हैं। भारत का सर्वोच्च न्यायालय प्रतिदिन औसतन 10 से 15 फैसले सुनाता है, जबकि इसके विपरीत अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट पूरे एक वर्ष में अधिकतम 10 से 15 निर्णय ही देता है।

आम जनता में अक्सर न्यायालयों की छुट्टियों को लेकर बहस छिड़ी रहती है, परंतु सच तो यह है कि जो लोग इस व्यवस्था की आंतरिक कार्यप्रणाली से अनभिज्ञ हैं,वही इसकी आलोचना करते हैं। वास्तव में इन्हीं छुट्टियों के दौरान न्यायाधीश अपने आरक्षित निर्णयों और लंबित आदेशों को पूर्ण करते हैं। अवकाश के समय भी न्यायाधीश अपने चैंबर या घर पर स्थित कार्यालयों में बैठकर निरंतर जजमेंट लिखवाते हैं।

किसी भी निर्णय को अंतिम रूप देने से पहले उन्हें केस की विस्तृत फाइलों, लंबी जिरह के विवरणों और मामले से संबंधित पुराने कानूनी दृष्टांतों का गहन अध्ययन करना होता है। यह देश के सबसे कठिन कार्यों में से एक है, क्योंकि न्यायाधीश द्वारा लिखा गया प्रत्येक शब्द सीधे तौर पर लोगों के जीवन और उनके भविष्य को प्रभावित करता है। अत्यंत मानसिक दबाव और तनाव के प्रबंधन के लिए न्यायाधीशों को उचित विश्राम की आवश्यकता होती है।

यह धारणा भी गलत है कि न्यायाधीश केवल प्रातः 10 से सायं 4 बजे तक ही कार्य करते हैं। वे अपना अधिकांश समय शाम,रात और सप्ताहांत में फाइलें पढ़ने,आदेश तैयार करने और कानूनी शोध करने में व्यतीत करते हैं, क्योंकि अदालत की कार्यवाही के दौरान उनके पास इन कार्यों के लिए बहुत कम समय बचता है।

रिक्तियां तो एक बड़ी समस्या हैं ही,परंतु मुद्दा केवल पदों के खाली होने तक सीमित नहीं है। वास्तव में जब शासन-प्रशासन की नाकामियां रोजमर्रा के स्तर पर निर्णय लेने में अक्षम साबित होती हैं,तब नागरिक के पास न्याय और शिकायत के लिए एकमात्र भरोसेमंद विकल्प अदालत ही बचता है। यही देश में मुकदमों की बाढ़ की असली जड़ है। जब सरकारी फाइलें अटकती हैं, आदेश समय पर पारित नहीं होते और नियमों की व्याख्या हर दफ्तर में अलग-अलग की जाती है तो जवाबदेही से बचने की प्रवृत्ति बढ़ती है।

इसका परिणाम यह है कि आज सड़क,पानी,भर्ती,जमीन और स्कूल-फीस जैसे बुनियादी मुद्दे भी अदालत की चौखट तक पहुंच रहे हैं। इसके अतिरिक्त सरकारी विभाग स्वयं भी बड़े पैमाने पर अपील,रिविजन और रिट याचिकाओं में जाते हैं। ऐसे में न्यायालयों का बहुमूल्य समय न केवल विवाद निपटाने में, शासन के नियमों की निगरानी करने में भी व्यय होता है। अंततः अदालतें प्रशासनिक तंत्र की कमियों का बैकअप सिस्टम बनकर रह गई हैं,जिससे लंबित मामले बढ़ते हैं और सामान्य नागरिक के लिए न्याय की प्रक्रिया महंगी हो जाती है।

प्रतिदिन आने वाले नए मामलों की बाढ़ अदालतों का सुनवाई-समय निगल जाती है। ऐसे में वर्षों पुराने मुकदमे अगली तारीखों पर धकेल दिए जाते हैं। ऊपर से गवाहों की अनुपस्थिति,समन-तामीली में देरी,पुलिस चार्जशीट में विलंब और दस्तावेजी रिकॉर्ड की सुस्त प्रक्रिया एक केस को वर्षों तक खींचती है।

प्रश्न यह है कि क्या हम न्यायपालिका का बोझ केवल अदालतों के भीतर कम करेंगे या अदालतों के बाहर भी ठोस कदम उठाएंगे? असली राहत अदालत के बाहर मिलनी चाहिए,जहां नागरिक को समयबद्ध,तर्कसंगत और अपील-योग्य प्रशासनिक निर्णय प्राप्त हो सकें। केवल जटिल और गंभीर विवाद ही अदालत की दहलीज तक पहुंचने चाहिए। भारत में न्यायाधीश-जनसंख्या अनुपात के भारी अंतर को भी पाटना अनिवार्य है।

वर्ष 2020 के आंकड़ों के अनुसार भारत में प्रति 10 लाख की आबादी पर मात्र 21 न्यायाधीश थे, जबकि 1987 में ही विधि आयोग ने प्रति 10 लाख नागरिकों पर कम से कम 50 न्यायाधीश होने का सुझाव दिया था। अमेरिका में प्रति 10 लाख लोगों पर 107 न्यायाधीश हैं और ब्रिटेन में यह संख्या 51 है। सरकारों को अपनी मुकदमेबाजी नीति में आमूल-चूल बदलाव करना चाहिए। वर्तमान स्थिति न केवल न्यायालयों का बहुमूल्य समय नष्ट कर रही है,बल्कि निरर्थक मुकदमों पर सार्वजनिक धन की भी भारी बर्बादी हो रही है। प्रशासनिक जवाबदेही तय करना और न्यायिक नियुक्तियों में तेजी लाना ही इस संकट का एकमात्र स्थायी समाधान है।

वन्यजीवों के सह-अस्तित्व से धरा रहेगी सुंदर-स्वस्थ

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

संपूर्ण जीव जगत की भौतिक देह का निर्माण मिट्टी,जल, अग्नि,आकाश और वायु इन पांच तत्वों के संयोग से ही होता है। क्योंकि जीव प्रकृति का एक घटक है जो प्रकृति की गोद में ही जन्मता और मरता है। हम कह सकते हैं कि ये पंचमहाभूत मिलकर ही प्रकृति का निर्माण करते हैं। प्रकृति ही सभी जीवों एवं वनस्पतियों की आश्रयस्थली एवं जीवन का आधार है। मानव,पशु-पक्षी, वनस्पतियां,सागर-सरिताएं,गिरि-कानन आदि मिलकर जैव पारिस्थितिकी तंत्र बनाते हैं। तो प्रकृति के संतुलन के लिए जरूरी है कि प्राकृतिक जैव पारि स्थितिकी तंत्र सुचारू रूप से संचालित होता रहे। प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन में प्रत्येक जीव-वनस्पति की जैव मंडल तंत्र में एक खास भूमिका निश्चित है जो परस्पर अवलंबित एवं महत्वपूर्ण है, साथ ही सह-अस्तित्व पर केंद्रित भी। कोई भी अन्तः वाह्य अनावश्यक दबाव एवं हस्तक्षेप उसकी सम्यक् भूमिका निर्वहन में न केवल बाधक होता है बल्कि तंत्र को प्रभावित कर असंतुलन का शिकार भी बनाता है। हम देखते हैं कि जीवन निर्वाह के लिए प्रकृति में एक खाद्य श्रंखला व्यवस्थित रूप से विद्यमान है। जो संतुलन साधते हुए प्रकृति के सौंदर्य और अस्तित्व को भी बनाए रखती है। मानव प्रकृति की इस श्रंखला तंत्र में सर्वोपरि है। वह विवेकवान सचेतन प्राणी है,पर निहित स्वार्थ की पूर्ति के लिए वह विवेकहीन हो अपनी बुद्धि बल से प्रकृति के पारिस्थितिकी तंत्र को बाधा पहुंचाकर सम्पूर्ण जीव जगत के जीवन पर संकट के रूप में उभर आया है। स्वार्थपरता में अपनी सुख-सुविधा हेतु न केवल भौतिक संसाधनों अपितु जैव विविधता का, शोषण कर रहा है। जैव विविधता सभी जीवों के जीवन के लिए बहुत आवश्यक है। वास्तव में, मानव जीवन प्रकृति के सह-अस्तित्व पर ही निर्भर है।

प्रकृति जीवनदायिनी मां है। वह सभी प्राणियों एवं वनस्पतियों का पोषण करती है। थका हारा मानव मन प्रकृति-माता के आंचल की सुखद छांव में शान्ति पाता है। कलरव करती कल्लोलिनी का शीतल नीर पान कर वह तृप्ति का अनुभव करता है। कोयल की कूक मन की वितृष्णा और शोक को हर लेती है। पपीहे की टेर उसके अंतर्मन के भाव का जागरण करती है। ऊंचे हिमाच्छादित गिरि शिखर उसमें आशा का संचार करते हैं। गगन में उड़ते श्वेत बलाक गण उसके अंदर जीने का उत्साह जगाते हैं। सिंधु की उत्ताल तरंगों से अठखेलियां करते समुद्री जीव उसमें जीवन के प्रति आकर्षण पैदा करते हैं। कानन केसरी की गर्जना उसमें वीरत्व भाव का उन्मेष करती है। प्रकृति में अवस्थित सूक्ष्म जीवाणु,फंगस,काई, चींटी,भौंरों,तितलियों से लेकर गौरैया, गिद्ध,चील,बाज,मोर,मीन,कच्छप, मकर, डाल्फिन और हाथी, सिंह, शार्क, ह्वेल तक सभी पशु-पक्षी,मानव एवं विभिन्न प्रकार के पादप और वनस्पति जीवन के लिए एक दूसरे पर निर्भर हैं। जब इनमें से किसी एक के साथ छेड़छाड़ की जाती है तो उसका प्रभाव पूरे जैवमंडल पर पड़ता है।

वन्यजीवों के जीवन के संरक्षण के

लिए वन्यजीव प्रेमी आंदोलन एवं अभियान के माध्यम से जन जागरूकता का काम करते हुए सरकारों को चेताते रहे हैं। तो संकटग्रस्त जीवों के महत्व के प्रति वैश्विक जागरूकता बे ाने और उनको विलुप्त होने से बचाने एवं संरक्षित करने की पहल के रूप में संयुक्त राष्ट्र संघ ने अपने 68वें अधिवेशन में थाईलैंड के प्रस्ताव पर 20 दिसम्बर, 2013 को आम सहमति से प्रति वर्ष 3 मार्च को 'विश्व वन्यजीव दिवस' मनाने का निर्णय लिया। सभी सदस्य देश आयोजन कर प्रकृति के सह-अस्तित्व के संदेश को आत्मसात करने और दैनंदिन व्यवहार में उतारने का संकल्प लेते हैं। यह आयोजन प्रत्येक वर्ष एक थीम पर केंद्रित होता है। सुगंधित एवं औषधीय पौधे स्वास्थ्य, विरासत और आजीविका का संरक्षण वर्तमान वर्ष के आयोजन का विषय है जो वन्यजीवों एवं प्रकृति के महत्व को दर्शाता है। एक अध्ययन के अनुसार दुनिया के तीन अरब लोगों का जीवन और जीविका समुद्र एवं तटीय जैव विविधता एवं संसाधनों पर आश्रित है। समुद्री एवं तटीय संसाधनों पर केंद्रित उद्योग धंधों का उत्पादकता मूल्य 3 खरब डालर से कहीं अधिक है जो विश्व की जीडीपी का 5 प्रतिशत है। लेकिन आज यह समुद्र और समुद्री जीव जगत जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण के कारण दुर्दशा का शिकार है। समुद्री जीवों की बहुत सारी प्रजातियां विलुप्ति की कगार पर हैं। इंटरनेशनल यूनियन कंजर्वेशन ऑफ नेचर के एक अध्ययन के अनुसार जीवो की 2500 से अधिक प्रजातियां संकट में हैं। साथ ही 1975 से अधिक वनस्पतियां अस्तित्व से संघर्ष कर रही हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार पिछली एक सदी में 60 से 80 लाख जीव एवं वनस्पतियां लुप्त हो चुकी हैं। उल्लेखनीय है कि भारत ने भी वन्यजीवों के संरक्षण के लिए शुरुआती कदम बहुत पहले ही उठा लिए थे। 1872 में वाइल्ड एलीफैंट प्रिजर्वेशन एक्ट एवं 1927 में भारतीय वन अधिनियम पारित किया गया जिसके अनुसार वन्यजीवों के शिकार एवं वनों की अवैध कटाई को दंडनीय अपराध घोषित किया गया था। इसके साथ ही 1972 में पारित भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम वन्यजीवों यथा हाथी,बाघ,भालू,हिरण,सेही, लंगूर, गैंा, डाल्फिन,बारहसिंहा,ऊदबिलाव, गिरगिट, बड़ी गिलहरी, तेंदुआ...आदि के अवैध शिकार, मांस, खाल, हड्डी, बाल, दांत आदि के व्यापार पर रोक लगाकर संरक्षण प्रदान करता है। भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वन्यजीवों के संरक्षण के लिए काम कर रही संस्थाओं से न केवल सम्बद्ध है बल्कि समय-समय पर मार्गदर्शन भी करता रहा है।

विकास के नाम पर प्रकृति के साथ की गई छेड़छाड़ और शोषण के दुष्परिणाम दिखाई पे ने लगे हैं। बढ़ते शहरीकरण एवं औद्योगिकीकरण के कारण जंगलों की कटान की जा रही है। अवैध खनन के द्वारा प्रकृति की जीवन रेखा नदियां मारी जा रही हैं। मानव जीवन को सहज बनाने के लिए ईजाद किया गया प्लास्टिक आज जैव विविधता के लिए सबसे बड़ा संकट बनकर उपस्थित है। लाखों टन प्लास्टिक समुद्र में पहुंच चुका है जो समुद्री जीवन के लिए खतरा है। स्मरणीय है कि विश्व के कार्बन उत्सर्जन का 80 प्रतिशत समुद्र एवं जंगल सोखते हैं। धरती के फेफड़े कहे जाने वाले अमेजन एवं ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में हर साल लगने वाली आग से जैव विविधता को भारी नुकसान होता है। बे ते वैश्विक ताप के कारण पहो ों की बर्फ पिघलने से समुद्री जल स्तर बे रहा है जो समुद्र तटीय देशों के अस्तित्व पर एक संकट के रूप में खड़ा है। मनुष्य की अधिकाधिक भौतिक संसाधनों को जुटाने की लालसा ने जीव-जंतुओं एवं वनस्पतियों का अधाधुंध शोषण किया है। पंख,दांत, खाल,नाखून,सींग एवं हड्डियों के लिए हाथी,बाघ,हिरन,गैंडा,मोर आदि का खूब अवैध शिकार किया गया! भारत का राष्ट्रीय पशु लुप्त हो चुका है। बाघ गिनती के बचे हैं। प्रकृति के सफाई कर्मी मुर्दा पशु भक्षी गिद्ध 95 प्रतिशत लुप्त हो गए। मानव के शुरुआती जीवन से साहचर्य में रही गौरैया-मैना अब बहुत कम ही दिखाई पड़ती हैं। खेतों से अधिकाधिक फसलोत्पादन लेने के लिए अधाधुंध रसायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग के कारण न केवल मृदा जीवनहीन हुई है बल्कि किसान के मित्र केंचुआ, मेंढक भी गहराई में समाधिस्थ हो गये हैं। दोषी कौन है, विचार करें। वन्यजीव संकट में हैं जिन्हें बचाने की महती आवश्यकता है ताकि नीले ग्रह पर मानव की पदचाप सुनाई पे ती रहे और प्रकृति के विशाल आंगन में वन्यजीव निर्भय विचरण करते रहें,वनस्पतियां फलती-फूलती रहें।

ऑनलाइन शॉपिंग का तिलिस्म

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

जब से मनुष्य ने अंगूठा नचाकर ऑनलाइन शॉपिंग की कला सीखी है, तब से धोखा खाना केवल एक मुहावरा नहीं,बल्कि एक अनुभव बन गया है। हमारे एक परिचित हैं– पन्नालाल जी। पन्नालाल जी का मानना है कि जो चीज इंटरनेट पर चमकती है,वही असली है। उनके लिए अमेजन और फ्लिपकार्ट किसी आधुनिक तीर्थस्थल से कम नहीं हैं, जहाँ सेल के नाम पर रोज पुण्य बांटा जाता है।

एक दिन पन्नालाल जी की नजर स्मार्टफोन की स्क्रीन पर एक ऐसी जैकेट पर पड़ी, जिसे पहनकर मॉडल किसी हॉलीवुड फिल्म का कमांडो लग रहा था। जैकेट का रंग ऐसा गहरा भूरा जैसे किसी शेर की खाल हो, और उस पर इतने बटन और जिप थे कि अगर चोर उसे पकड़ ले, तो आधे घंटे तक तो वह यही ढूंढता रह जाए कि इसे खोलना कहाँ से है। विज्ञापन कह रहा था–विंटर स्पेशल राजसी ठाठ, शेर जैसी दहाड़!

पन्नालाल जी ने अपनी तोंद का साइज और जैकेट के फिटिंग चार्ट का मेल बिठाने के लिए श्रीलाल शुक्ल के

वैद्य जी जैसी दार्शनिकता का सहारा लिया। उन्होंने सोचा–भले ही मेरा शरीर लौकी जैसा है, पर यह जैकेट मुझे चंदन बना देगी। भारी डिस्काउंट देखकर उन्होंने तुरंत ऑर्डर बटन दबा दिया। अगले तीन दिन पन्नालाल जी ने वैसे ही बिताए जैसे कोई भक्त भगवान के अवतरण की प्रतीक्षा करता है।

अंततः डिलीवरी बॉय आया। पन्नालाल जी ने डब्बा ऐसे थामा जैसे कोई युद्ध का विजेता शत्रु का सिर लाया हो। उन्होंने डब्बा खोला। भीतर से जो वस्तु निकली, उसे देखकर पन्नालाल जी के फेफड़ों की हवा पंक्चर हो गई।

जैकेट का रंग शेर की खाल जैसा नहीं, बल्कि उस दीमक लगी लकड़ी जैसा था जिसे देखकर घिन आ जाए। और साइज? साइज का आलम यह था कि वह जैकेट पन्नालाल जी को आना तो दूर, उनके पालतू कुत्ते टाइगर को भी छोटी पे रही थी। जो बटन विज्ञापन में फौलादी लग रहे थे, वे वास्तव में ऐसे थे कि जरा सा जोर लगाने पर कंचों की तरह बिखरने को तैयार थे। जिसे शेर की दहाड़ कहा गया था, वह पहनकर पन्नालाल जी किसी मरे हुए चूहे की तरह सिकुड़ गए थे। पन्नालाल जी गुस्से में लाल-पीले होकर कस्टमर केयर को फोन लगाने ही वाले थे कि उनकी पत्नी वहाँ आ गईं। उन्होंने उस चीथड़े को देखा और बड़े गौर से जैकेट के टैग को पढ़ा।

पत्नी ने तंज कसते हुए कहा, अरे! ये क्या मंगवाया है? ये तो किसी नर्सरी के बच्चे का रेनकोट लग रहा है!

पन्नालाल जी झल्लाकर बोले, ये स्कैम है! मैं केस करूँगा! उन्होंने शेर दिखाया था और ये चूहा भेज दिया! तभी पत्नी की नजर डब्बे के कोने में पड़ी एक छोटी सी पर्ची पर गई। उस पर बारीक अक्षरों में लिखा था– प्रिय ग्राहक,यह जैकेट विशेष रूप से कठपुतलियों के लिए तैयार की गई है। आपने ह्यूमन साइज के बजाय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडल साइज चुना है। यदि आप इसे पहनना चाहते हैं, तो कृपया पहले अपनी हड्डियाँ निकलवाकर शरीर को रुई जैसा बनवा लें।

पन्नालाल जी वहीं बैठ गए। अब वे न तो फोन कर पा रहे थे और न ही गुस्सा। अब वे इस चिंता में हैं कि उस जैकेट का क्या करें, क्योंकि उनके मोहल्ले में ऐसी कोई कठपुतली नहीं है जो उनके जैसा राजसी ठाठ चाहती हो!

होली का त्यौहार

प्रोफेसर शामलाल कौशल
रोहतक,हरियाणा

होली है रंगों का त्यौहार
इसे खुशी से मनाना चाहिए।
रंग है खुशी का प्रगटावा
इन्हें खुशी से लगाना चाहिऐ
गले मिलो सबके खुश होकर
आपसी भेदभाव को भूल जाना चाहिए।
दुखी हो रहा हो अगर कोई
उसे तो रंग बिल्कुल ना लगाना चाहिए।
होली है खुशी का सूचक, इसमें
मिट्टी और कीचड़ ना लगाना चाहिए।
कोई घर पर पधारे अगर होली खेलने
उसका तो मुंह मीठा कराना चाहिए।
बेशक जा रही होती है ठंड इस मौसम में
पानी एक दूसरे पर तो ना डालना चाहिए।
होली है हमारे बहुमूल्य संस्कृति का भाग
इस संस्कृति को तो शालीनता से निभाना चाहिए।
गुलाल से उत्प्रोत हो जब चेहरा आपका
तो मुस्कुराते हुए एक फोटो खिंचवाना चाहिए।
होली है रंगों का त्यौहार दोस्तों
इसे तो हंसी खुशी ही मनाना चाहिए।

आया होली का त्योहार

मोनिका डागा आनंद
चेन्नई,तमिलनाडु

मनभावन होली का त्योहार है आया,
हजारों रंग अपने साथ उपहार में लाया ।
घर गली मोहल्ले नगर द्वार चौबारे,
खुशियों के रंगों में रंग जाते सारे,
डफ की धुनों पर मचाते हैं धमाल,
तर-बतर हो रंगों में उड़ाते गुलाल,
मन के विषाद को सबने है भूलाया ।
रंग-बिरंगे रंगों में लगते बड़े प्यारे,
प्रेम के रंगों में रंग जाते जब सारे,
ये रंग दूरियाँ मिटा लाते हैं पास,
दिलों में भर देते आनंद मिठास,
जनमानस में देखो उल्लास है छाया ।
खुशनुमा मनमोहक लगते ये नजारे,
मौज-मस्ती के रंग में रंग जाते सारे,
एक आँगन में महके है रिश्तों का इत्र,
सपरिवार बच्चे बड़े बुजुर्ग युवा मित्र ,
सबने एक दूजे को रंग खूब लगाया ।
मनभावन होली का त्योहार है आया,
हजारों रंग अपने साथ उपहार में लाया ।

युद्ध नहीं,शांति ही बदलेगी दुनिया की अनिवार्य अपेक्षा

ललित गर्ग
पटपड़गंज,दिल्ली

नई बनती दुनिया का चेहरा जितनी तेजी से बदल रहा है, उतनी ही तेजी से वैश्विक असुरक्षा की भावना भी गहराती जा रही है। अमेरिका,इजरायल और ईरान के बीच बढ़ता टकराव केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं है,बल्कि वह एक ऐसे वैश्विक असंतुलन का संकेत है जिसमें शक्ति संतुलन की पुरानी व्यवस्थाएं टूट रही हैं और नई विश्व-व्यवस्था अभी स्थिर रूप नहीं ले सकी है। जब महाशक्तियां प्रत्यक्ष या परोक्ष युद्ध में उतरती हैं,तब उसका प्रभाव सीमाओं से परे जाकर समूची मानवता को प्रभावित करता है। ऊर्जा बाजार,आपूर्ति श्रृंखलाएं,मुद्रा विनिमय दरें,शेयर बाजार,खाद्य सुरक्षा,शांतिपूर्ण मानव जीवन और कूटनीतिक समीकरण-सब कुछ अनिश्चितता के घेरे में आ जाता है। मध्यपूर्व में किसी भी बड़े युद्ध का पहला असर तेल आपूर्ति पर पड़ता है। होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाली वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति यदि बाधित होती है तो तेल की कीमतें आसमान छूने लगती हैं। भारत जैसे ऊर्जा-आयातक देश के लिए यह स्थिति दोहरी चुनौती लेकर आती है- एक ओर आयात बिल बढ़ता है, दूसरी ओर महंगाई और राजकोषीय दबाव में वृद्धि होती है। यदि कच्चे तेल के दाम बढ़ते हैं तो परिवहन, उर्वरक,बिजली और विनिर्माण लागत में वृद्धि अनिवार्य है, जिसका सीधा असर आम नागरिक की जेब पर पड़ता है। वैश्विक वित्तीय बाजार पहले ही अनिश्चितता से जूझ रहे हैं, ऐसे में लंबा खिंचता युद्ध निवेश और विकास की गति को भी धीमा कर सकता है।

ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ता टकराव केवल दो देशों का संघर्ष नहीं, बल्कि बदलती विश्व-व्यवस्था की परीक्षा है। ऐसे समय में युद्ध को तेज करने के बजाय उसे रोकने की कोशिशों को और अधिक गति देने की आवश्यकता है। दोनों पक्षों से परिपक्वता और संयम की अपेक्षा है,विशेषकर अमेरिका से, जो स्वयं को वैश्विक नेतृत्व की भूमिका में देखता है और जिसे शक्ति के साथ-साथ जिम्मेदारी का भी परिचय देना चाहिए। एक तेल उत्पादक देश के रूप में ईरान का अस्तित्व और स्थिरता विश्व अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, वहां की अस्थिरता ऊर्जा बाजार से लेकर विकासशील देशों की वित्तीय संरचना तक को प्रभावित कर सकती है। हालिया हमलों में सैकड़ों लोगों के मारे जाने, हजारों के घायल होने और बड़ी संख्या में लोगों के फंसे होने की खबरें मानवता के लिए गहरी चिंता का विषय हैं। ईरान में शीर्ष नेतृत्व पर हमलों और उसके बाद तेहरान आदि मुस्लिम देशों की तीखी प्रतिक्रियाओं ने पश्चिम एशिया के हालात को और अधिक विस्फोटक बना दिया है। यह संघर्ष केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं रहेगा; इसका प्रभाव दक्षिण एशिया की भू-राजनीति,समुद्री मार्गों की सुरक्षा, वैश्विक कूटनीतिक संतुलन और विश्व अर्थव्यवस्था पर दूरगामी होगा।

युद्ध आर्थिक संकट ही नहीं लाता, वह सामाजिक ताने-बाने को तोड़ता है,सांस्कृतिक संवाद को बाधित करता है और राष्ट्रों के बीच अविश्वास की दीवारें ऊंची करता है। आज आवश्यकता इस बात की है कि बदलती दुनिया में सह-अस्तित्व, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग की भावना को पुनर्जीवित किया जाए। शक्ति प्रदर्शन के स्थान पर समझदारी,प्रतिशोध के स्थान पर कूटनीति और वर्चस्व के स्थान पर साझी जिम्मेदारी-इन्हीं मूल्यों से विश्व को स्थिरता मिल सकती है। यह संघर्ष केवल आर्थिक नहीं, बल्कि वैचारिक और भू-राजनीतिक भी है। यूक्रेन संकट के बाद विश्व पहले ही ध्रुवीकरण की दिशा में बे चुका था। अब यदि पश्चिम एशिया में स्थायी अस्थिरता पैदा होती है तो वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए संतुलन साधना कठिन हो जाएगा। भारत एक ओर अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ा रहा है,तो दूसरी ओर ईरान के साथ उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और ऊर्जा संबंध भी रहे हैं। इसके साथ ही इजरायल के साथ रक्षा और तकनीकी सहयोग भी मजबूत हुआ है। ऐसे में किसी एक पक्ष के साथ खुलकर खड़े होना भारत की बहुस्तरीय विदेश नीति के लिए जटिल प्रश्न बन सकता है।

भारत की विशेष चिंता यह भी है कि मध्यपूर्व में लगभग 90 लाख भारतीय कार्यरत हैं। यदि युद्ध की आग फैलती है तो न केवल उनकी सुरक्षा खतरे में पड़ेगी,बल्कि भारत को मिलने वाली अरबों डॉलर की प्रेषण राशि पर भी प्रभाव पड़ेगा। इसके अतिरिक्त,लाल सागर और खाड़ी क्षेत्र में समुद्री मार्गों पर तनाव बढ़ने से व्यापारिक शिपमेंट महंगे हो सकते हैं। यह परिस्थिति भारत के विकास पथ पर दबाव डाल सकती है, जो अभी विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में गिना जा रहा है। ऐसे समय में भारत की भूमिका केवल एक प्रभावित राष्ट्र की नहीं, बल्कि एक संभावित मध्यस्थ और संतुलनकर्ता की भी हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले वर्षों में बहुध्रुवीय कूटनीति की जो नीति अपनाई है,वह इसी प्रकार की जटिल परिस्थितियों में उपयोगी सिद्ध हो सकती है। भारत ने एक ओर अमेरिका के साथ सामरिक साझेदारी को सुदृ किया है, वहीं रूस से ऊर्जा सहयोग बनाए रखा है और पश्चिम एशिया के देशों के साथ भी संतुलित संबंध कायम रखे हैं। यह 'रणनीतिक स्वायत्तता' की नीति भारत को किसी एक खेमे में बंधने से बचाती है। भारत का यह दृष्टिकोण उसे संवाद और शांति प्रयासों के लिए विश्वसनीय मंच प्रदान कर सकता है। भारत इस समय ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है,जिसमें ईरान भी सदस्य बन चुका है। यह मंच वैश्विक दक्षिण की आवाज को सशक्त करने का अवसर देता है। यदि भारत इस मंच के माध्यम से युद्धविराम,संवाद और बहुपक्षीय समाधान की पहल करता है,तो वह न केवल अपनी कूटनीतिक विश्वसनीयता बढ़ा सकता है,बल्कि वैश्विक स्थिरता में भी योगदान दे सकता है। संयुक्त राष्ट्र की निष्क्रियता या सीमित प्रभाव के बीच मध्यम शक्तियों की भूमिका बढ़ना स्वाभाविक है। भारत,जो स्वयं उपनिवेशवाद और शीत युद्ध की राजनीति से सीख लेकर उभरा है, शांति-आधारित बहुपक्षवाद का पक्षधर बन सकता है। दूसरी ओर, दक्षिण एशिया में भी चुनौतियां कम नहीं हैं। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और आंतरिक अस्थिरता का प्रभाव भारत की सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन पर पड़ सकता है। यदि पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ती है और साथ ही दक्षिण एशिया में भी उथल-पुथल होती है, तो भारत को दो मोर्चों पर रणनीतिक सतर्कता रखनी होगी। आतंकवाद, कट्टरता और अवैध हथियारों का प्रसार ऐसे वातावरण में बढ़ सकता है। अतः भारत के लिए यह समय केवल आर्थिक प्रबंधन का नहीं,बल्कि सुरक्षा और कूटनीतिक संयम का भी है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

-सम्पादक

C M Y K

विधि-विधान से हुआ होलिका दहन

बुधवार को मनेगा रंगों का त्योहार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

रंगों का त्यौहार होली 4 मार्च को मनाया जाएगा। इसे लेकर लोगों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। बाजार पूरी तरह से रंग-गुलाल व तरह-तरह के पिचकारी से सज चुका हैं। हिन्दू रीति- रिवाज में होलिका दहन का विशेष महत्व माना गया है। शहर के जगह-जगह होलिका दहन की तैयारी की गई है थी। रात 2 बजे के बाद शुभ मुहूर्त में होलिका का दहन किया गया। गौरतलब है कि रंगो का त्योहार होली इस वर्ष 4 मार्च को पूरे संभाग में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। होली को लेकर लोगों में विशेष उत्साह है। लोगों ने होली की खरीदारी पूर्व से ही शुरू कर दी है। होलिका दहन 2 मार्च को विधिविधान से किया गया। होलिका दहन को लेकर बच्चों में विशेष उत्साह देखा गया। पूरे दिन लोगों ने जगह-जगह होलिका की पूजा अर्चना कर पूरे साल घर परिवार में शांति व खुशहाली की कामना की। 3 मार्च को सायं 6 बजे से 6.47 बजे तक खंडग्रास चंद्रग्रहण रहेगा। चंद्रग्रहण का सूतक काल 3 मार्च को प्रातः 9 बजे से प्रारंभ होकर सायं 6.47 बजे ग्रहण मोक्ष तक प्रभावी रहेगा। इस लिए इव वर्ष होली 4 मार्च को मनाया जाएगा। वहीं जिला प्रशासन ने सौहार्द्र के साथ होली मनाने की अपील की है। ताकि किसी तरह की कोई अप्रिय घाटना न हो सके। वहीं होली को लेकर बाजार पूरी तरह गुलजार रहा। शहर के घड़ी चौक,थाना चौक,गुदरी बाजार,देवीगंज रोड, स्कूल रोड सहित अन्य स्थानों पर व्यावसायियो ने होली के सामान बेचने के लिए आकर्षक तरीके से दुकान सजा कर रखी थी। गुरुवार को दिन भर लोगों ने होली की खरीदारी की। होली की खरीदारी करने पहुंचे लोगों ने कहा कि इस वर्ष होली पर महंगाई का असर दिख रहा है। पिचकारी,रंग,गुलाल,अबीर महंगे बेचे जा रहे हैं। वहीं व्यावसायियों का कहना है कि हर सामान थोक व्यापारियों द्वारा महंगा दिया गया है। इस कारण हम लोगों को महंगे दामों पर बेचना मजबूरी है। होली के अवसर पर फाग गीत गाया जाता है। हालांकि यह परंपरा अब धीरे-धीरे कम हो रहा है। पर ग्रामीण क्षेत्र में यह फाग गीत गाने की परंपरा अभी भी है। लोगों ने होली के सप्ताह भर पूर्व से ही फाग गीत गाए जा रहे हैं। लोग मंडली बनाकर ढोल-नगाड़ों की धून पर फाग गीत गाते हैं।

हर्बल रंगों से सजेगी की होली...बिहान समूह की दीदियाँ तैयार कर रहीं प्राकृतिक गुलाल

हर्बल गुलाल से आत्मनिर्भर बन रहीं बिहान की दीदियाँ,होली पर हर्बल गुलाल की बढ़ी मांग

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 02 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

होली पर्व के साथ जहां बाजारों में रंगों की रौनक बढ़ी है, वहीं सरगुजा जिले में स्व-सहायता समूहों की महिलाओं के लिए यह पर्व आय सृजन का सशक्त माध्यम बनकर उभरा है। राज्य शासन की बिहान योजना के अंतर्गत जिले की महिलाओं द्वारा तैयार हर्बल गुलाल को नागरिकों का अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। अम्बिकापुर विकासखंड के राधे कृष्ण स्वयं सहायता समूह सहित अन्य समूहों की महिलाओं द्वारा प्राकृतिक अवयवों से गुलाल तैयार किया जा रहा है। गेंदे एवं पलाश के फूल, चुकंदर, पालक भाजी, हल्दी, चंदन तथा आरारोट जैसी सामग्रियों से निर्मित यह गुलाल पूरी तरह सुरक्षित एवं पर्यावरण के अनुकूल है।

महिलाओं ने बताया कि हर्बल गुलाल निर्माण से उन्हें अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। स्थानीय स्तर पर तैयार उत्पादों को प्राथमिकता मिलने से महिलाओं में उत्साह एवं आत्मविश्वास भी बढ़ा है।

इन प्रमुख केंद्रों पर उपलब्ध है हर्बल गुलाल

आम नागरिकों की सुविधा के लिए जिले में विभिन्न स्थानों पर बिक्री केंद्र बनाए गए हैं, जहां से लोग किफायती दरों पर हर्बल गुलाल खरीद सकते हैं: आशा बिहान बाजार (भट्ठी रोड),सी-मार्ट-पंचशील मनपसंद (कलेक्टोरेट ब्रांच के समीप),संगम स्वीट्स (बनारस रोड),घड़ी चौक के पास स्थित विभिन्न आउटलेट्स

बढ़ रही है मांग,घर-घर पहुँच रहा 'बिहान' का गुलाल

सरकारी और निजी आउटलेट्स के माध्यम से अब तक लगभग 215 किलोग्राम हर्बल गुलाल का विक्रय किया जा चुका है। स्थानीय बाजारों में भी इन रंगों के प्रति जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित इन प्राकृतिक रंगों का अधिक से अधिक उपयोग करें, जिससे स्थानीय ग्रामीण महिलाओं की आय में वृद्धि हो सके और एक सुरक्षित व ईको-फ्रेंडली होली मनाई जा सके।

होली पर पुलिस का पहरा,सरगुजा में 500 जवान तैनात

हुड़दंगियों पर सख्ती,डीजे और नशे में ड्राइविंग पर कार्रवाई

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

रंगो का त्योहार होली के दौरान किसी तरह का कोई परेशानी न हो इसके लिए सरगुजा पुलिस द्वारा व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए हैं। होलिका दहन 2 मार्च और रंगोत्सव 4 मार्च को मनाया जाएगा। त्योहार के मद्देनजर जिलेभर में कड़ी निगरानी रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। डीआईजी राजेश अग्रवाल ने जानकारी दी है कि शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए 8 राजपत्रित पुलिस अधिकारियों के नेतृत्व में 75 निरीक्षक,उपनिरीक्षक व सहायक उपनिरीक्षक सहित 500 से अधिक पुलिस अधिकारी-कर्मचारी तैनात रहेंगे। जिले में 67 फिक्स पिकेट, 28 पेट्रोलिंग पार्टियां,7 बाइक पेट्रोलिंग दल और महिला गश्ती टीम लगातार सक्रिय रहेंगी। प्रमुख जलाशयों पर भी पुलिस बल की तैनाती की गई है। रिजर्व बल को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है। अंबिकापुर शहर में विशेष चौकसी बरती जाएगी,जहां हर वर्ष होली बड़े स्तर पर मनाई जाती है। पुलिस द्वारा संवेदनशील इलाकों में लगातार गश्त की जाएगी। डीआईजी के निर्देश पर ट्रिपल राइडिंग,नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने और शराब पीकर ड्राइविंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। चौक-चौराहों पर ब्रेथ एनालाइजर से जांच होगी। बोर्ड परीक्षाओं को ध्यान में रखते हुए बिना अनुमति डीजे बजाने और विवादित गाने चलाने पर भी कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। आवश्यकता पडने पर डीजे जब्त किए जाएंगे। संभावित दुर्घटनाओं को देखते हुए जिला अस्पताल से समन्वय बनाकर आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश थाना प्रभारियों को दिए गए हैं। नागरिक किसी भी आपात स्थिति में पुलिस हेल्पलाइन नंबर 9479193599 या डायल 112 पर संपर्क कर सकते हैं।

पुलिस की एडवाइजरी

शांति और सौहार्द बनाए रखें। यातायात नियमों का पालन करें और हेलमेट अनिवार्य रूप से पहनें। ट्रिपल राइडिंग से बचें। शराब पीकर वाहन न चलाएं। किसी पर जबरन रंग न लगाएं। ज्वलनशील पदार्थों का प्रयोग न करें। मुखौटा पहनकर घूमने से बचें।

चोरी का आरोपी व लैपटॉप खरीदने वाला युवक गिरफ्तार

गांधीनगर पुलिस की कार्रवाई,2 आरोपी जेल भेजे गए

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

चोरी के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी के साथ चोरी का सामान खरीदने वाले युवक को भी गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। गांधीनगर थाना पुलिस ने बताया कि भगवानपुर खुर्द निवासी सुनंदन तिवारी ने 20 फरवरी को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। 19-20 फरवरी की दरमियानी रात अज्ञात चोरों ने उसके घर से नगदी, सोने का ब्रेसलेट,अंगूठी,चैन,लैपटॉप और मोबाइल चोरी कर लिया था। मामले में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई।

जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एक युवक चोरी का मोबाइल बेचने की फिराक में है। घेराबंदी कर पुलिस ने आनंद कुमार पन्ना (22) निवासी सुभाषनगर भगवानपुर को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने चोरी की वारदात कबूल की। आरोपी ने बताया कि सोने के जेवर एक अन्य साथी को बेचने के लिए दिए हैं, जो फरार है। उसने चोरी का लैपटॉप भगवानपुर एमजी रोड निवासी प्रियांशु तिवारी (21) को 1000 रुपए में बेचना स्वीकार किया।

पुलिस ने प्रियांशु को भी गिरफ्तार कर उसके कब्जे से लैपटॉप और चार्जर बरामद किया। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। फरार आरोपी की तलाश जारी है।

सरगुजा में 16 राजस्व निरीक्षकों का तबादला...

प्रशासनिक दक्षता के लिए कलेक्टर ने जारी किए आदेश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 02 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

जिला सरगुजा में प्रशासनिक दक्षता एवं राजस्व कार्यों के बेहतर संपादन के उद्देश्य से कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा जिले में पदस्थ 16 राजस्व निरीक्षकों के स्थानांतरण आदेश जारी किए गए हैं। यह आदेश छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता एवं छत्तीसगढ़ भू-अभिलेख नियमावली के अंतर्गत प्रदत्त प्रावधानों के तहत लोकहित में जारी किया गया है। आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

जारी आदेश के अनुसार निम्नलिखित राजस्व निरीक्षकों को नवीन पदस्थापना सौंपी गई है- श्री विश्वनाथ तिवारी, रा.नि.मं. अम्बिकापुर-3 से रा.नि.मं. लखनपुर,श्री रामकुमार राम, रा.नि.मं. अम्बिकापुर-4 से रा.नि.मं. रघुनाथपुर (धौरपुर),श्री संजय सिंह, रा.नि.मं. अम्बिकापुर-5 से रा.नि.मं. उदयपुर,श्री धर्मेन्द्र कुमार सिंह, रा.नि.मं. अम्बिकापुर-6 से रा.नि.मं. बतौली, श्री सबल साय एक्का, रा.नि.मं. धौरपुर से रा.नि.मं. अम्बिकापुर-3,श्री विकास कुमार सोनपाकर, रा.नि.मं. उदयपुर से रा.नि.मं. अम्बिकापुर-4, श्री राज बहादुर सिंह, रा.नि.मं. खम्हरिया (उदयपुर) से राजस्व निरीक्षक नजूल,श्री संजय कुमार सिंह, रा.नि.मं. लखनपुर से रा.नि.मं. अम्बिकापुर-5,श्री धर्मेन्द्र कुमार सिंह, रा.नि.मं. सलका (लखनपुर) से रा.नि.मं. अम्बिकापुर-6,श्री छय कुमार पैंकरा, रा.नि.मं. पेटला (सीतापुर) से राजस्व निरीक्षक नजूल श्री शिवपूजन तिवारी, रा.नि.मं. बतौली से राजस्व निरीक्षक नजूल,श्री रामदेव यादव, राजस्व निरीक्षक नजूल से रा.नि.मं. लुण्ड्रा,श्री सरयू राम पैंकरा, राजस्व निरीक्षक नजूल से रा.नि.मं. खम्हरिया (उदयपुर),श्री आशीष गुहा, राजस्व निरीक्षक नजूल से रा.नि.मं. धौरपुर,श्री विजय कुमार श्रीवास्तव, राजस्व निरीक्षक नजूल से रा.नि.मं. सलका (लखनपुर),श्री सत्येन्द्र कुमार मिश्रा, राजस्व निरीक्षक डायवर्सन से रा.नि.मं. पेटला (सीतापुर) तबादला किया गया है। कलेक्टर श्री वसंत ने निर्देश दिया हैं कि सभी अधिकारी अपने नवीन पदस्थापना स्थल पर शीघ्र कार्यभार ग्रहण कर राजस्व कार्यों के सुचारू संचालन सुनिश्चित करें।

अवैध सट्टा मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

बैंक खाते उपलब्ध कराकर करता था लेन-देन,दो मोबाइल जब्त

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

ऑनलाइन सट्टा प्रकरण में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी अपने बैंक खाते और सिम उपलब्ध कराकर सट्टे की रकम के लेन-देन में सहयोग कर रहा था। कोतवाली थाना अंबिकापुर एवं साइबर सेल की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार आरोपी मुजाहिद अली खान (26) निवासी नावागढ़, अंबिकापुर ने अपने नाम से सिम और बैंक खाते खुलवाकर पूर्व गिरफ्तार आरोपी आयुष सिन्हा उर्फ दीप सिन्हा को उपलब्ध कराए थे। जांच में सामने आया कि इन्हीं खातों के माध्यम से ऑनलाइन सट्टे की रकम का लेन-देन किया जाता था। आरोपी ने इसके एवज में बड़ी रकम प्राप्त की, जिससे उसने आईफोन 16 प्रो और रेडमी कंपनी का मोबाइल खरीदा। दोनों मोबाइल पुलिस ने जब्त कर लिए हैं। गौरतलब है कि इस मामले में पूर्व में मुख्य आरोपी आयुष सिन्हा को गिरफ्तार कर उसके पास से नगदी, आभूषण और एक फॉर्च्यूनर कार जब्त की गई थी। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मामले में अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

लखनपुर-उदयपुर में अवैध रेत उत्खनन पर सख्ती

16 प्रकरण दर्ज,2.70 लाख रुपए से अधिक की वसूली

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

जिला सरगुजा अंतर्गत लखनपुर एवं उदयपुर क्षेत्र के ग्राम मोहनपुर एवं ग्राम जजगा में छत्तीसगढ़ गौण खनिज साधारण रेत उत्खनन एवं व्यवसाय (अनुसूचित क्षेत्र हेतु) नियम, 2023 के तहत साधारण रेत की 02 खदानें विधिवत स्वीकृत हैं। उक्त स्वीकृत खदानों से रेत का उत्खनन, विक्रय एवं परिवहन नियमानुसार किया जाता है। खनिजों के उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाती है।दैनिक समाचार प्रकाशित शीर्षक 'रेड नहीं तो घाटों पर सक्रिय रेत तस्कर, कर रहे अवैध उत्खनन' के संबंध में जिला खनिज अधिकारी द्वारा वस्तुस्थिति स्पष्ट की गई है। उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि खनिज विभाग द्वारा लखनपुर एवं उदयपुर क्षेत्र में स्वीकृत रेत उत्खनन पट्टों, भंडारण अनुज्ञप्तियों तथा आसपास के क्षेत्रों का सतत निरीक्षण किया जाता है। हालिया निरीक्षण के दौरान स्वीकृत रेत खदानों एवं नदी क्षेत्रों का मुआयना करने पर अधिकांश नदियों में पर्याप्त जलभराव पाया गया,जिससे अवैध उत्खनन की आशंका प्रतीत नहीं होती है। खनिज अमला द्वारा नियमों एवं शर्तों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जा रही है। अब तक लखनपुर एवं उदयपुर क्षेत्र में गौण खनिज रेत के अवैध परिवहन के 07 प्रकरण दर्ज कर 1,12,296 रुपए की राशि तथा अवैध उत्खनन के 09 प्रकरण दर्ज कर 1,58,280 रुपए की राशि वसूल की गई है। इस प्रकार कुल 2,70,576 रुपए की राशि खनिज मद में जमा कराई गई है। इसके अतिरिक्त, समाचार पत्रों में प्रकाशित रिपोर्टों एवं ग्रामीणों से प्राप्त शिकायतों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए संबंधित प्रकरणों का निराकरण विभाग द्वारा किया गया है।

राइस मिल में भीषण आग,फायर ब्रिगेड की टीम ने पाया आग पर काबू

-संवाददाता-
जशपुरनगर,02 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

जशपुर जिले के तपकरा क्षेत्र में ओडिशा-झारखंड सीमा के पास स्थित एक राइस मिल में सोमवार शाम अचानक भीषण आग लगने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की आरंभिक जानकारी के अनुसार ऊपरकछार गांव में संचालित शम्भु गुप्ता के राइस मिल में शाम करीब 4 बजे अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें तेजी से फैलने लगीं और मिल परिसर का बड़ा हिस्सा उसकी चपेट में आ गया। आग इतनी भयंकर थी कि उसे नियंत्रित करने के लिए दमकल विभाग की तीन फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को मौके पर रवाना किया गया। दमकल कर्मी लगातार आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हालात को काबू में लाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। मौके पर राइस मिल की छत और आसपास बड़ी संख्या में मधुमक्खियों के छत्ते होने के कारण डर और दहशत का माहौल बना हुआ है। आग बुझाने के दौरान मधुमक्खियों के हमले का खतरा बना हुआ है।

आ.जाति सेवा सहकारी समिति केरजू में 1.92 करोड़ से अधिक की फर्जी ऋण आहरण मामला उजागर

8 अधिकारियों-कर्मचारियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज के निर्देश

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

आ.जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित केरजू में फर्जी ऋण वितरण एवं आहरण का गंभीर मामला सामने आया है। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सीतापुर की अध्यक्षता में गठित संयुक्त जांच दल द्वारा की गई जांच में 127 किसानों के नाम पर फर्जी हस्ताक्षर कर कुल 1,92,82,006 रुपये (एक करोड़ बयानवे लाख बयासी हजार छह रुपये) का अवैध आहरण किया जाना पाया गया है। जांच प्रतिवेदन के आधार पर तत्कालीन प्राधिकृत अधिकारी श्री मदन सिंह, श्री जोगी राम, श्री सैनाथ केरकेट्टा (वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक एवं प्राधिकृत अधिकारी), श्री भूपेन्द्र सिंह परिहार (तात्कालिक शाखा प्रबंधक), श्री शिवशंकर सोनी (सहायक लेखापाल), श्रीमती ललिता सिन्हा (कैशियर), श्री सुमित कुमार (सामान्य सहायक) एवं श्री दीपक कुमार चक्रधारी (कम्प्यूटर ऑपरेटर) को उक्त अनियमितता के लिए दोषी पाया गया है। उपरोक्त प्रकरण में कुल 8 संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों के विरुद्ध एफ.आई.आर. दर्ज कराने की कार्यवाही कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने दी है। साथ ही संबंधित थाना में अपराध पंजीबद्ध कर एफ.आई.आर. की प्रति अधो हस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

CMYK

होली से पहले पुलिस का सख्त प्रहार...

316 पर कार्रवाई,39 आबकारी केस दर्ज

उपद्रवियों पर शिकंजा...अवैध शराब पर वार...सूरजपुर पुलिस अलर्ट मोड में...

- त्योहार से पहले सर्जिकल स्ट्राइक : बदमाशों और अवैध शराब कारोबारियों पर बड़ी कार्रवाई
- शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने पुलिस सक्रियः निगरानी,गश्त और छापेमारी तेज...
- कानून-व्यवस्था मजबूत करने व्यापक अभियान, अवैध मदिरा जब्त

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,02 मार्च 2026 (घटती-घटना)। आगामी होली पर्व को शांतिपूर्ण,सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से सूरजपुर पुलिस ने जिलेभर में व्यापक विशेष अभियान चलाया। कानून-व्यवस्था बनाए रखने,असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण और अवैध मदिरा गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए 20 फरवरी 2026 से 1 मार्च 2026 तक समन्वित कार्रवाई की गई।

कानून-व्यवस्था पर कड़ी नजरः 316 के खिलाफ कार्रवाई

डीआईजी एवं एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर जिले के सभी थाना-चौकी क्षेत्रों में विशेष निगरानी अभियान चलाया गया,अभियान के दौरान–316 व्यक्तियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई,132 निगरानीशुदा,माफी एवं गुंडा बदमाशों की चेकिंग कर उन्हें अपराध से दूर रहने की सख्त हिदायत दी गई,शांति भंग की आशंका को देखते हुए 58 आदतन आरोपियों के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई की गई,पुलिस ने संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त बढ़ाई और सूचना तंत्र को सक्रिय रखते हुए संभावित उपद्रवियों पर विशेष नजर रखी।

अवैध मदिरा के खिलाफ सघन कार्रवाईः 39 प्रकरण दर्ज : होली के दौरान अवैध मदिरा के विक्रय, परिवहन और संग्रहण पर नियंत्रण के लिए पुलिस ने अलग से अभियान चलाया, छापामार कार्रवाई के दौरान 39 आबकारी प्रकरण दर्ज किए गए, 41 व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई, 31 लीटर महुआ शराब एवं 5 लीटर अंग्रेजी शराब जब्त की गई, कार्रवाई छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम के तहत की गई, सभी थाना-चौकी पुलिस टीमों ने समन्वित एवं सतर्क भूमिका निभाई।

सार्वजनिक स्थलों पर विशेष निगरानी

पुलिस द्वारा बाजार,सार्वजनिक स्थल,संवेदनशील इलाकों एवं संभावित विवादित क्षेत्रों में लगातार पेट्रोलिंग की जा रही है, संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग और निगरानी सूची में शामिल लोगों की नियमित जांच सुनिश्चित की गई है।

सूरजपुर पुलिस की अपील

सूरजपुर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि होली पर्व को शांति और भाईचारे के साथ मनाएं। किसी भी संदिग्ध गतिविधि,अवैध मदिरा विक्रय या कानून-व्यवस्था भंग करने की सूचना तुरंत नजदीकी थाना या पुलिस नियंत्रण कक्ष को दें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी,पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कानून तोड़ने वालों के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी और यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा,होली से पहले की गई यह व्यापक कार्रवाई संकेत देती है कि सूरजपुर पुलिस त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था को बर्दाश्त नहीं करेगी और जिले में शांति-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पूरी तरह सतर्क है,आगामी होली पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से सूरजपुर पुलिस ने जिलेभर में व्यापक विशेष अभियान चलाया, कानून-व्यवस्था बनाए रखने,असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण और अवैध मदिरा गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए 20 फरवरी 2026 से 1 मार्च 2026 तक समन्वित कार्रवाई की गई।

प्रदेश साहू संघ की सरगुजा संभागीय बैठक संपन्न

सूरजपुर में धूमधाम से मनाई जाएगी प्रदेश स्तरीय माता कर्मा जयंती

-संवाददाता-

सूरजपुर,02 मार्च 2026 (घटती-घटना)। जिला सूरजपुर के मंगल भवन में प्रदेश साहू संघ द्वारा सरगुजा संभाग की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी माता कर्मा जयंती के भव्य आयोजन की रूपरेखा तय करना था। सरगुजा संभाग के छह जिलों से आए सामाजिक बंधुओं की उपस्थिति में यह बैठक उत्साह और एकजुटता के वातावरण में संपन्न हुई।

माता कर्मा जयंती संभाग में धूमधाम से मनाने का निर्णय-कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश साहू संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. निरेंद्र साहू ने कहा कि साहू समाज की आराध्य देवी माता कर्मा की प्रदेश स्तरीय जयंती इस वर्ष सरगुजा संभाग में भव्य रूप से मनाई जाएगी, उन्होंने बताया कि प्रदेश स्तर पर निर्णय लिया गया है कि समाज के संत-महात्माओं की जयंतियां अलग-अलग संभागों में प्रदेश स्तरीय रूप से आयोजित की जाएंगी, ताकि दूरस्थ क्षेत्रों तक सामाजिक जागरूकता का संदेश पहुंचे, डॉ. साहू ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आदिवासी समाज के बाद साहू समाज सबसे बड़ा समाज है, जो पूरे प्रदेश में फैला हुआ है,उन्होंने समाज में समरसता, भाईचारा और जागरूकता का संदेश गांव-गांव तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया।

कुरीतियों और नशामुक्ति पर जोर-प्रदेश अध्यक्ष ने समाज में व्याप्त कुरीतियों और नशापान जैसी बुराइयों को जड़ से समाप्त करने का आह्वान किया, उन्होंने कहा कि जो सामाजिक बंधु इस अभियान में साथ देना चाहते हैं, वे समाज सुधार के इस मिशन से जुड़ सकते हैं, उन्होंने जिलाध्यक्षों से अपील की कि'कर्मा रथ' के माध्यम से गांव-गांव जाकर समाज में जागृति फैलाएं।

राजनीतिक भागीदारी पर भी चर्चा

बैठक में समाज की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। डॉ. साहू ने कहा कि जो राजनीतिक दल समाज को आगे बढ़ाएंगे,समाज उनका सहयोग करेगा,उन्होंने स्पष्ट किया कि समाज की एकजुटता और संख्या के आधार पर उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की दिशा में प्रयास किए जाएंगे।

स्वागत भाषण और समर्थन

जिले के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वर्तमान संरक्षक रामकृपाल साहू ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि प्रदेश नेतृत्व द्वारा लिए गए निर्णय समाज में नई ऊर्जा का संचार कर रहे हैं, उन्होंने बताया कि शादियों में प्री-वेडिंग शूट पर प्रतिबंध और महापुरुषों की जयंतियों को प्रदेश स्तर पर मनाने का निर्णय सराहनीय है। इससे सुदूर क्षेत्रों में भी समाज के इतिहास और परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

एकजुटता का संदेश

प्रदेश साहू संघ के डॉ. सुनील साहू ने कहा कि सरगुजा संभाग में आयोजित होने वाली कर्मा जयंती को सफल बनाने में समाज की बड़ी भूमिका रहेगी,उन्होंने विश्वास जताया कि समाज की यह एकजुटता आने वाले समय में सामाजिक और राजनीतिक दोनों क्षेत्रों में सकारात्मक परिणाम देगी।

संचालन और आभार

कार्यक्रम का संचालन राजेश साहू ने किया। सूरजपुर जिला अध्यक्ष राम लल्लू साहू ने उपस्थित सभी सामाजिक बंधुओं का आभार व्यक्त किया, बैठक में सरगुजा, जशपुर, बलरामपुर, कोरिया, एमसीबी सहित विभिन्न जिलों के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ सामाजिक जन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

'संकल्प' से 'सिद्धि' की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़...विकास, पारदर्शिता और परिणाम पर आधारित बजट : श्यामबिहारी जायसवाल

-संवाददाता-

सूरजपुर,02 मार्च 2026 (घटती-घटना)। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के राज्य बजट को ऐतिहासिक और दूरदर्शी बताते हुए कहा कि यह केवल आय-व्यय का लेखा-जोखा नहीं,बल्कि छत्तीसगढ़ की पौने तीन करोड़ जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने वाला 'संकल्प पत्र' है,भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि यह बजट भ्रष्टाचार मुक्त, पारदर्शी और परिणामोन्मुखी शासन का प्रतीक है,जो राज्य को विकास की सुपरफास्ट ट्रैक पर ले जाने का कार्य करेगा, उन्होंने कहा कि सरकार का पहला बजट 'ज्ञान' पर,दूसरा 'गति' पर और तीसरा 'संकल्प' पर आधारित है। यह संकल्प समावेशी विकास,सुदृढ़ अधोसंरचना और 'पॉलिसी से परिणाम'तक पहुंचने का है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विधायक भूलन सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी,डॉ.राजीव सिंह,बाबूलाल अग्रवाल,मुकेश गर्ग,अशोक सिंह,शशिकांत गर्ग, संदीप अग्रवाल, प्रदीप संत और यशवंत सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे, मंत्री जायसवाल ने अंत में कहा कि यह बजट केवल घोषणा नहीं,बल्कि'संकल्प'को 'सिद्धि' तक पहुंचाने का रोडमैप है–जो छत्तीसगढ़ को समृद्ध,आत्मनिर्भर और विकसित राज्य बनाने की दिशा में ठोस आधार प्रदान करेगा।

विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में निर्णायक कदम

मंत्री जायसवाल ने कहा कि यह बजट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के विजन को 'विकसित छत्तीसगढ़' के माध्यम से साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी द्वारा तकनीक और पारदर्शिता के साथ तैयार वित्तीय ढांचा राज्य को देश के अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाने की क्षमता रखता है।

राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए पाँच प्रमुख मिशनों की घोषणा की गई है...

1. **मुख्यमंत्री अधोसंरचना मिशन** - आधुनिक सड़क,पुल और भवन निर्माण को गति देने के लिए।
2. **मुख्यमंत्री एआई मिशन**-प्रदेश को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और तकनीक के क्षेत्र में अग्रणी बनाने हेतु।
3. **मुख्यमंत्री पर्यटन विकास मिशन**- छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए।
4. **मुख्यमंत्री स्टार्टअप मिशन**-युवाओं को रोजगार खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाने के उद्देश्य से।
5. **मुख्यमंत्री खेल उत्कर्ष मिशन**- खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर की सुविधाएं प्रदान करने हेतु।

मजबूत अर्थव्यवस्था की तस्वीर

मंत्री ने आर्थिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा राज्य की जीएसडीपी 12% वृद्धि दर से बढ़कर 7,09,553 करोड़ रुपये होने का अनुमान है, पूंजीगत व्यय में 63% की वृद्धि यह दर्शाती है कि सरकार दीर्घकालिक संपत्ति निर्माण पर निवेश कर रही है, राज्य का स्वयं का कर राजस्व 14% बढ़कर 52,000 करोड़ रुपये होने का अनुमान है, उन्होंने कहा कि ये आंकड़े प्रदेश की आर्थिक मजबूती और सुशासन की दिशा में सकारात्मक संकेत हैं।

शिक्षा में बड़ा निवेश

बजट का सबसे बड़ा हिस्सा, 13.5%, स्कूल शिक्षा को समर्पित है, अबूझमाड़ और जगरगुंडा में दो आधुनिक एजुकेशन सिटी स्थापित की जाएंगी,युवा दर्शन योजना' के तहत विद्यार्थियों के शैक्षणिक भ्रमण का प्रस्ताव, मुख्यमंत्री शिक्षा सहयोग योजना' के अंतर्गत मेधावी छात्रों को आवासीय सहायता, बस्तर फाइटर में 1500 नई भर्तियां,जिससे सुरक्षा और रोजगार दोनों को बल मिलेगा।

शिक्षा कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर विशेष ध्यान-

छत्तीसगढ़ को कृषि प्रधान राज्य बताते हुए मंत्री ने कहा कि अन्नदाताओं के हितों की रक्षा इस बजट की प्राथमिकता है,कृषि क्षेत्र के लिए 13,500 करोड़ रुपये का प्रावधान, 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदी और अंतर राशि का एकमुश्त भुगतान जारी रहेगा,भूमि विकास बैंक के माध्यम से कृषि ऋण योजना के लिए 200 करोड़ रुपये, इंद्रावती नदी पर देवरगांव और मटनार बराज निर्माण के लिए 2000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान,बस्तर और सरगुजा में खाद्य एवं कृषि प्रसंस्करण उद्योगों के लिए 100 करोड़ रुपये,पशुपालन और मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देकर ग्रामीण आय बढ़ाने का लक्ष्य।

शहरी विकास और औद्योगिक विस्तार

'मुख्यमंत्री आदर्श शहर समृद्धि योजना' के तहत नगरपालिकाओं को 200 करोड़ रुपये, द्रुतगामी सड़क संपर्क योजना के लिए 200 करोड़ रुपये,23 नए औद्योगिक पार्कों की स्थापना हेतु 250 करोड़ रुपये का प्रावधान,इन योजनाओं से स्थानीय स्तर पर निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद जताई गई।

महिला सशक्तीकरण और सामाजिक सुरक्षा

महिलाओं के नाम पर संपत्ति रजिस्ट्री कराने पर पंजीयन शुल्क में 50% की छूट का प्रस्ताव, 'लखपति दीदी' कार्यक्रम के तहत भ्रमण और अनुभव साझा करने के लिए बजट प्रावधान, सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों के लिए कैशलेस उपचार की व्यवस्था।

बस्तर और सरगुजा को प्राथमिकता

बस्तर और सरगुजा के विकास को विशेष प्राथमिकता देते हुए जगदलपुर और अंबिकापुर में हवाई सेवाओं का विस्तार,पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु होमस्टे योजना के लिए 10 करोड़ रुपये का प्रावधान।

CMYK

धान भुगतान पर सियासी संग्राम

'मालामाल' की राजनीति या मेहनत का हक़ ?

धान भुगतान पर सियासी 'मालामाल' जंग : किसान का हक़ या श्रेय की होड़ ?

किसान के खाते में पैसा, नेताओं में बयानबाज़ी का बवाल...

'मालामाल' पोस्टर से गरमाई राजनीति,कांग्रेस-भाजपा आमने-सामने...

धान अंतर राशि पर सियासी टकराव : भुगतान से ज्यादा प्रचार पर बहस

सरकार बदली,योजना वही: धान भुगतान पर क्यों मचा श्रेय संग्राम ?

किसान की मेहनत बनाम राजनीति का मसालाः 'मालामाल' विवाद की पूरी कहानी

धान उगाया किसान ने, 'मालामाल' हो गए नेता!

किसान की कमाई पर सियासी तकरारः माल किसका, श्रेय किसका ?

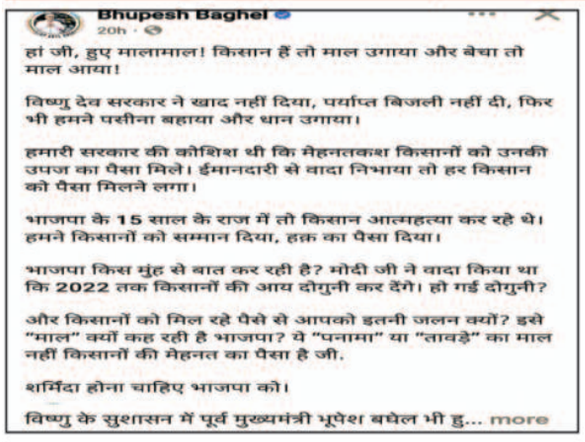

-न्यूज डेस्क-

रायपुर,02 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में 28 फरवरी को धान की अंतर राशि किसानों के खातों में पहुंचते ही सियासत गरमा गई, भाजपा समर्थित सोशल मीडिया पोस्टों और बैनरों में यह प्रचार किया गया कि कांग्रेस के बड़े नेता भी भाजपा सरकार में मालामाल हो गए, जवाब में कांग्रेस ने इसे किसानों की मेहनत के पैसे पर राजनीति बताया, मामला अब सिर्फ भुगतान का नहीं, बल्कि श्रेय लेने की होड़ और मालामाल शब्द की राजनीतिक व्याख्या का बन गया है। धान का भुगतान कोई दया या उपहार नहीं,बल्कि किसान की उपज का मूल्य है, नेता चाहे किसी भी दल का हो, यदि वह किसान है और धान बेचता है, तो भुगतान उसका अधिकार है, इस पूरे विवाद में सबसे अहम सवाल यही है की क्या किसान को समय पर और पूरा भुगतान मिल रहा है? यदि हाँ,तो यह किसानों की जीत है,यदि नहीं, तो बहस मालामाल से आगे बढ़कर नीतियों की समीक्षा तक जानी चाहिए,राजनीति अपने स्थान पर है, लेकिन खेत में खड़ा किसान दल नहीं देखता है की वह सिर्फ मेहनत और उसकी कीमत देखता है।

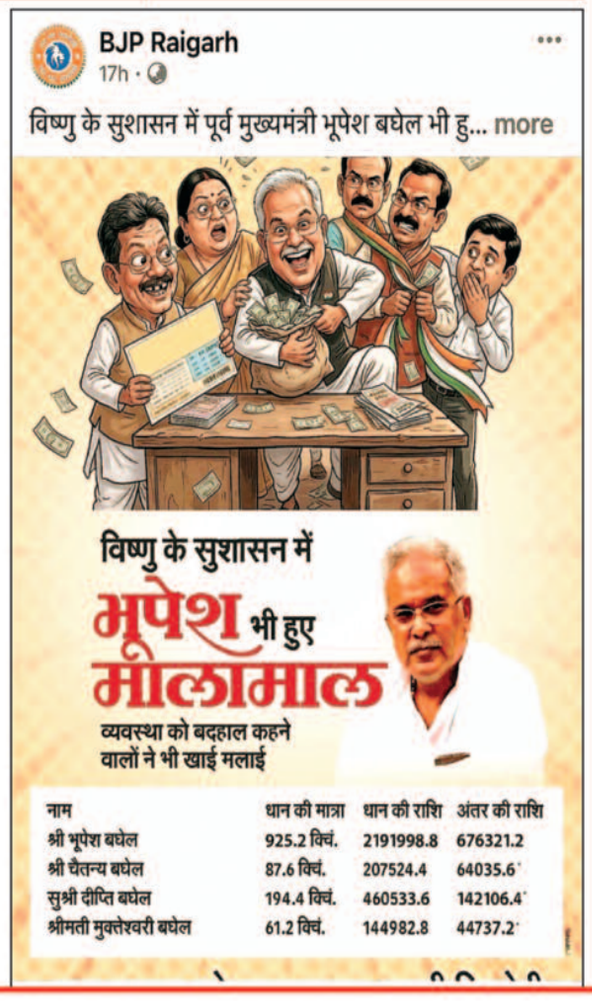

भुगतान की पृष्ठभूमि

राज्य सरकार द्वारा धान खरीदी और अंतर राशि का भुगतान एक स्थापित व्यवस्था के तहत किया जाता है,किसान धान बेचते हैं,समर्थन मूल्य और घोषित बोनस/अंतर की राशि सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जाती है,इस बार भुगतान के बाद सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट वायरल हुए,जिनमें यह दिखाने की कोशिश की गई कि,पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खाते में कितनी राशि आई,वरिष्ठ कांग्रेस नेता चरण दास महंत को कितना भुगतान मिला,प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के खाते में कितनी अंतर राशि डाली गई,इन पोस्टों के जरिए यह संदेश देने की कोशिश हुई कि भाजपा सरकार आने के बाद कांग्रेस नेता भी मालामाल हो गए।

भूपेश बघेल का पलटवार

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा हाँ जी, हुए मालामाल! किसान हैं तो माल उगाया और बेचा तो माल आया। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान विष्णु देव साय सरकार ने पर्याप्त खाद और बिजली उपलब्ध नहीं कराई,इसके बावजूद किसानों ने मेहनत से फसल तैयार की, उनका कहना है कि धान का भुगतान किसी सरकार की कृपा नहीं,बल्कि किसान का अधिकार है,बघेल ने यह भी याद दिलाया कि कांग्रेस सरकार ने किसानों को बोनस और समर्थन मूल्य के जरिए आर्थिक सुरक्षा देने की कोशिश की थी। साथ ही उन्होंने भाजपा शासन के 15 वर्षों में किसानों की स्थिति और आत्महत्याओं का मुद्दा उठाया।

भाजपा का पक्ष

भाजपा समर्थकों का तर्क है कि वर्तमान सरकार ने वादा निभाते हुए अंतर राशि का भुगतान सुनिश्चित किया,कांग्रेस नेता भी किसान हैं तो उन्हें भी समान रूप से लाभ मिला,इससे साबित होता है कि सरकार बिना भेदभाव के भुगतान कर रही है,हालांकि,आलोचकों का कहना है कि व्यक्तिगत खातों की राशि का प्रचार राजनीतिक संदेश देने का प्रयास है।

असली सवाल क्या है ?

क्या किसान को उसकी उपज का पूरा भुगतान मिल रहा है? क्या यह भुगतान किसी दल विशेष की कृपा है या नीतिगत प्रक्रिया? क्या पूर्व सरकार में भाजपा नेताओं को भुगतान नहीं मिलता था? यदि भाजपा या कांग्रेस का कोई भी नेता किसान है और उसने धान बेचा है, तो उसे भुगतान मिलना स्वाभाविक है,यही वह बिंदु है जहाँ से व्यंग्य शुरू होता है सरकार बदलती है,किसान वही रहता है, फसल वही रहती है,भुगतान की प्रक्रिया भी लगभग वही रहती है,लेकिन श्रेय की राजनीति बदल जाती है।

मालामाल शब्द पर विवाद

कांग्रेस का कहना है कि किसानों की मेहनत की कमाई को माल कहना अपमानजनक है, भूपेश बघेल ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यह कोई पनामा या घोटाले का पैसा नहीं, बल्कि खेत में पसीना बहाकर कमाई गई राशि है, दूसरी ओर भाजपा समर्थक इसे राजनीतिक व्यंग्य बताते हैं।

दोहरी रेल लाइन पर बवाल, सिंचित जमीन के अधिग्रहण और कम मुआवजे के विरोध में किसानों का कलेक्टर कार्यालय घेराव

-संवाददाता-

मनेंद्रगढ़,02 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

रेलवे की प्रस्तावित नई दोहरी लाइन परियोजना के तहत ग्राम बरबसपुर और उजियारपुर सहित नौ गांवों की सिंचित द्वि-फसली भूमि के अधिग्रहण को लेकर किसानों में गहरा असंतोष व्याप्त है। कम मुआवजे और भूमि मूल्यांकन में कथित विसंगतियों के विरोध में ग्रामीण कृषक कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और प्रशासन के समक्ष अपनी आपत्ति दर्ज कराई।

मूल्यांकन में असमानता का आरोप

ग्रामीणों का कहना है कि भूमि मूल्यांकन में भारी विसंगतियां हैं। कुछ किसानों की जमीन का मूल्यांकन अपेक्षाकृत अधिक,जबकि कुछ का बेहद कम किया गया है,जिससे गांवों में असंतोष और भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है, किसानों का स्पष्ट कहना है कि जमीन ही उनकी रोजी-रोटी का एकमात्र साधन है, यदि अपर्याप्त मुआवजा दिया गया, तो उनके परिवारों का भविष्य असुरक्षित हो जाएगा।

प्रशासन का आश्वासन

अपर कलेक्टर और एसडीएम ने किसानों की बात गंभीरता से सुनी और मामले के शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया,राजस्व विभाग द्वारा आवश्यक जांच और पुनर्मूल्यांकन की प्रक्रिया पर विचार करने की बात कही गई है।

विकास बनाम आजीविका

रेलवे की दोहरी लाइन परियोजना क्षेत्र के यातायात और औद्योगिक विकास के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है,लेकिन किसानों का कहना है कि विकास की कीमत उनकी उपजाऊ जमीन और भविष्य से नहीं चुकाई जानी चाहिए, अब देखना यह होगा कि प्रशासन पुनर्मूल्यांकन कर किसानों की मांगों पर कितना न्यायसंगत निर्णय लेता है, फिलहाल मनेंद्रगढ़ में यह मुद्दा विकास और आजीविका के बीच संतुलन की बड़ी परीक्षा बन गया है।

परियोजना के दायरे में नौ गांव

रेलवे की दोहरी लाइन परियोजना के तहत जिन गांवों की भूमि अधिग्रहित की जा रही है,उनमें शंकरगढ़,बेलबहार,ऊदलकछार,सरोला,लाई,सेमरा,दर्रीटोला,बरबसपुर और उजियारपुर शामिल हैं,ग्रामीणों का कहना है कि अधिग्रहण की जद में आ रही जमीन पूरी तरह सिंचित और अत्यंत उपजाऊ है,जहां साल में दो फसलें ली जाती हैं। ऐसे में यह भूमि उनके परिवारों की आजीविका का मुख्य आधार है।

जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में पहुंचा प्रतिनिधिमंडल

किसानों का प्रतिनिधिमंडल पूर्व विधायक गुलाब कमरो,जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेश साहू,ब्लॉक कांग्रेस मनेंद्रगढ़ ग्रामीण अध्यक्ष रामनरेश पटेल,ब्लॉक कांग्रेस मनेंद्रगढ़ शहरी अध्यक्ष सौरव मिश्रा तथा सांसद प्रतिनिधि अमर सिंह के नेतृत्व में कलेक्टर कार्यालय पहुंचा,वहां उन्होंने अपर कलेक्टर अनिल सिदार एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लिंगराज सिदार से मुलाकात कर किसानों की समस्याएं विस्तार से रखीं।

किसानों की प्रमुख मांगें...

प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासन के समक्ष निम्न मांगें रखीं राजस्व विभाग की टीम भेजकर भूमि का पुनःमूल्यांकन कराया जाए,सिंचित एवं द्वि-फसली भूमि की वास्तविक बाजार दर के अनुसार मुआवजा तय किया जाए, जब तक उचित मुआवजे का निर्धारण न हो,तब तक अधिग्रहण की प्रक्रिया स्थगित रखी जाए,किसानों का आरोप है कि प्रशासन द्वारा तय मुआवजा वर्तमान बाजार मूल्य से काफी कम है और भूमि से होने वाली सालाना आय को ध्यान में नहीं रखा गया है।

गुलाब स्व-सहायता समूह की पहलः हर्बल व जैविक गुलाल से स्वस्थ एवं पर्यावरण का दे रही संदेश

-संवाददाता-

बलरामपुर,02 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत महिलाओं की आजीविका संवर्धन एवं आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने की दिशा में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नयनतारा सिंह तोमर के मार्गदर्शन में जनपद पंचायत बलरामपुर के ग्राम भनौरा में गुलाब स्व-सहायता समूह द्वारा पूर्णतः जैविक एवं हर्बल गुलाल निर्मित किया जा रहा है, जो स्वास्थ्य और पर्यावरण के अनुकूल सुरक्षित है। वर्तमान समय में बाजार में उपलब्ध रासायनिक रंगों एवं गुलाल के उपयोग से त्वचा संबंधी एलर्जी, संक्रमण तथा अन्य दुष्प्रभावों को देखते हुए समूह की महिलाओं ने प्राकृतिक वस्तुओं से निर्मित हर्बल गुलाल तैयार कर स्वास्थ्य और पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दे रहीं है। समूह द्वारा तैयार गुलाल में जैविक अरारोट पाउडर, पलाश के फूल, पालक साग का पाउडर तथा खाद्य-ग्रेड प्राकृतिक रंगों का उपयोग किया जा रहा है। जो की त्वचा के लिए सुरक्षित है जिला प्रशासन के सहयोग से कार्यक्रमों तथा विभिन्न शासकीय आयोजनों में समूह को स्टॉल लगाने की सुविधा प्रदान की गई है। इसके माध्यम से हर्बल गुलाल का प्रदर्शन एवं विक्रय किया जा रहा है। साथ ही समूह की महिलाओं द्वारा विभिन्न शासकीय कार्यालयों, संस्थानों एवं स्थानीय बाजारों में व्यक्तिगत संपर्क कर उत्पादों की बिक्री की जा रही है। जनप्रतिनिधि एवं आम नागरिक, शासकीय कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारी भी हर्बल गुलाल को प्राथमिकता से क्रय कर महिला समूहों की आजीविका को सशक्त करने में सहयोग दे रहे हैं। पूर्व कार्यक्रम में सरगुजा सांसद श्री चिंतामणि महाराज के द्वारा भी गुलाब स्व-सहायता समूह की दीदियों से हर्बल गुलाल क्रय कर उनके प्रयासों की सराहना की गई तथा उत्साहवर्धन किया गया। जिला प्रशासन बलरामपुर द्वारा आमजन से अपील की गई है कि वे रासायनिक रंगों के स्थान पर जैविक एवं हर्बल गुलाल का उपयोग कर अपने स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण में सहयोग प्रदान करें और स्वस्थ होली,सुरक्षित होली,हरित होली के संकल्प को सफल बनाने में सहभागी बनें।

न्यायालय नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,
रा0प्र0क0/...../अ-20 (3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुनील कुमार सोनी आ0 शंकर प्रसाद सोनी, जाति सोनार, निवासी भगवानपुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की शीट नम्बर -11 मोहल्ला-सदर रोड़,नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 3196/4817/54, 3196/4817/64 रकबा 385.06 वर्गफीट,195 वर्गफीट भूमि जिस पर दुकान निर्मित है, को अनावेदिका / क्रेता हेमा गुप्ता पत्नी अमर कुमार गुप्ता,निवासी जैन मंदिर रोड़ डालटेनगंज,जिला पलामू झारखण्ड के पास बिकय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा,शपथ पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 17/03/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक-25.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी ।

सील

नजूल अधिकारी
,अंबिकापुर

होली से पहले मेहनतकशों पर सिस्टम का प्रहार

मजदूरी अटकी, मानदेय गायब

पसीना बहाया, पैसा नहीं पाया,सोनहत में मजदूर-मितानिनों की सूनी होली

खाते में रकम,हाथ में शून्य,प्रशासनिक लापरवाही से फीके पड़े त्योहार के रंग

त्योहार पर भुगतान संकट, सोनहत में मजदूरों, मितानिनों और किसानों की बढ़ी चिंता

मनरेगा से मितानिन तक–भुगतान में देरी ने बढ़ाई ग्रामीण आर्थिक मुश्किलें

धान राशि जमा, पर निकासी बाधित,सिस्टम की सुस्ती से होली पर असर

'साहब,बच्चों के लिए गुलाल कहाँ से लाएँ?'–सोनहत के गांवों का दर्द

रंगों से पहले इंतज़ार,मजदूरी और मानदेय के लिए तरसते हाथ

त्योहार की दहलीज पर भुगतान का सवाल,क्या सुनेगा प्रशासन?

जनप्रतिनिधियों की प्रतिक्रिया

पुष्पेंद्र राजवाड़े, अध्यक्ष, कोरिया जन सहयोग समिति:
होली से पहले मजदूरों को भुगतान न मिलना बेहद दुखद है। कम से कम त्योहार के दिन ही उनका बकाया दिया जाए।

अनित दुबे, महामंत्री, जिला कांग्रेस:
मजदूरों और मितानिनों का भुगतान अटका है। सरकार को तुरंत हस्तक्षेप कर राशि जारी करनी चाहिए।

प्रकाश चंद्र साहू
यदि जल्द भुगतान नहीं हुआ तो मजदूरों के हित में आंदोलन किया जाएगा।

-राजन पाण्डेय-
कोरिया/सोनहत,02 मार्च 2026 (घटती-घटना)।
होली का त्योहार खुशियों, रंगों और मेल-मिलाप का प्रतीक माना जाता है, लेकिन कोरिया जिले के सोनहत ब्लॉक के कर्री, किशोरी और परिहत पोड़ी जैसे गांवों में इस बार रंगों से पहले चिंता की लकीरें गहरी हो गई हैं, वजह–महीनों से अटका भुगतान, प्रदेश में विकास और 'डबल इंजन' सरकार के दावे भले ही जोरों पर हों, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि जिन हाथों ने गांव की तस्वीर बदलने के लिए मिट्टी खोदी, तालाब बनाए और स्वास्थ्य सेवाओं को घर-घर तक पहुंचाया, उन्हीं के घरों में त्योहार से पहले आर्थिक सन्नाटा पसरा है।

सवालों के घेरे में प्रशासन

मजदूरों को दो माह से मजदूरी नहीं, मितानिनों को पांच माह से मानदेय नहीं,किसानों को राशि मिली, पर निकासी में बाधा,त्योहार से पहले यह स्थिति प्रशासनिक तंत्र की सुस्ती और समन्वय की कमी की ओर इशारा करती है,सरकारें अक्सर अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने की बात करती हैं,लेकिन जब भुगतान समय पर न हो,तो दावे सवालों के घेरे में आ जाते हैं।

क्या हटेगा 'सिस्टम' का ग्रहण?

होली रंगों का त्योहार है,लेकिन सोनहत के कई घरों में इस बार चिंता और प्रतीक्षा के रंग ज्यादा गहरे हैं, मेहनत का पसीना सूखने से पहले मजदूरी मिलनी चाहिए–यह सिर्फ प्रशासनिक नहीं, मानवीय दायित्व भी है, अब सवाल यह है कि क्या प्रशासन होली से पहले इन बकाया भुगतान को जारी करेगा? या फिर गरीब परिवारों की होली फाइलों के ढेर में ही दबकर रह जाएगी? त्योहार पर 'सिस्टम' का यह ग्रहण कब हटेगा–यह देखने वाली बात होगी।

दो माह से अटकी मजदूरीः मनरेगा श्रमिकों की मुश्किलें

सोनहत क्षेत्र में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत काम करने वाले सैकड़ों मजदूरों को पिछले दो महीनों से मजदूरी नहीं मिली है,ग्रामीणों के अनुसार,उन्होंने तय समय पर कार्य पूरा किया, मस्टर रोल भरा गया,माप पुस्तिका भी बनी,लेकिन भुगतान फाइलों में अटक गया,मजदूरों का कहना है की दिन-भर धूप में काम किया,अब होली पर बच्चों के लिए कपड़े और गुलाल खरीदने तक पैसे नहीं हैं,गांवों में कई परिवार उधारी पर राशन और घरेलू सामान लेने को मजबूर हैं। स्थानीय दुकानदार भी कहते हैं कि बकाया बढ़ता जा रहा है।

पांच महीने से मानदेय लंबितः मितानिनों का दर्द

ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ कही जाने वाली मितानिनें भी आर्थिक संकट से गुजर रही हैं,ब्लॉक समन्वयक,स्वास्थ्य पंचायत समन्वयक और हेल्प डेस्क की मितानिनों को पिछले पांच महीनों से मानदेय नहीं मिला, ये वही महिलाएं हैं जो टीकाकरण,प्रसव पूर्व जांच,पोषण अभियान और आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं में दिन-रात सक्रिय रहती हैं, एक मितानिन ने नाम न छापने की शर्त पर कहा की हम गांव-गांव जाकर लोगों की सेवा करते हैं, लेकिन अपने घर में खर्च चलाना मुश्किल हो गया है, बिना मानदेय के इतने लंबे समय तक काम करना उनके लिए मानसिक और आर्थिक दबाव दोनों बढ़ा रहा है।

किसानों का पैसा 'खाते में',पर जेब तक नहीं...

सरकार ने 28 फरवरी को धान की अंतर राशि किसानों के खातों में जमा करने का दावा किया, लेकिन सहकारी बैंकों में नकदी की कमी और निकासी पर तकनीकी सीमाओं ने किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया, सुबह से ही सहकारी बैंकों के बाहर लंबी कतारें देखी जा रही हैं,कई किसान घंटों इंतजार के बाद भी पूरी राशि नहीं निकाल पा रहे, एक किसान ने कहा की खाते में पैसा दिख रहा है,पर हाथ में नहीं आ रहा। ऐसे में त्योहार की तैयारी कैसे करें?

नौगाई में पेयजल क्रांति की ओर मजबूत कदम,

ग्रामीणों को जल्द मिलेगा हर घर शुद्ध पानी

-संवाददाता-
एमसीबी,02 मार्च 2026 (घटती-घटना)।
जिले के विकासखंड मनेन्द्रगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत सिरौली के ग्राम नौगाई में ग्रामीण पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ और स्थायी बनाने की दिशा में व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। गांव में पेयजल आपूर्ति के लिए निर्मित परिसंपत्तियों के विधिवत हस्तांतरण से पूर्व आवश्यक मरम्मत एवं सुधार कार्य पूरी गंभीरता और गुणवत्ता के साथ प्रगति पर हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ग्रामीणों को निर्बाध, सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध हो तथा भविष्य में किसी प्रकार की तकनीकी या आपूर्ति संबंधी समस्या उत्पन्न न हो।

मरम्मत कार्य योजनाबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया जा रहा है, जिसमें संरचनात्मक मजबूती, पाइप लाइन सुधार,जल स्रोतों की सुरक्षा और तकनीकी मानकों के अनुरूप व्यवस्था को प्राथमिकता दी जा रही है। कार्यपालन अभियंता आकाश पोद्दार के निर्देशानुसार यह संपूर्ण कार्य

सहायक अभियंता ए.एस. सिदार एवं उप अभियंता मनमोहन सिंह के सतत मार्गदर्शन में किया जा रहा है, ताकि प्रत्येक स्तर पर गुणवत्ता और समयबद्धता बनी रहे। वहीं जिला परियोजना समन्वयक (CDAT) रितेश डिक्सेना अपनी टीम के साथ समन्वय बनाकर कार्यों की नियमित समीक्षा कर रहे हैं,जिससे कार्य सुचारू,पारदर्शी और प्रभावी ढंग से पूर्ण हो सके। इस सुदृढ़ीकरण कार्य के पूर्ण होने के पश्चात ग्राम नौगाई के ग्रामीणों को हर घर तक शुद्ध एवं सुरक्षित पेयजल की सुविधा सुनिश्चित होगी। यह पहल न केवल ग्रामीणों के स्वास्थ्य स्तर को बेहतर बनाएगी, बल्कि महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को पेयजल के लिए होने वाली दैनिक परेशानियों से भी राहत दिलाएगी। गांव में स्वच्छ जल उपलब्धता से जीवन स्तर में सुधार, समय की बचत और समग्र ग्रामीण विकास को नई गति मिलेगी।

कोरिया में 'उजाला' से सजेगी हरित होली : डकईपारा की महिलाओं ने रचा प्राकृतिक रंगों का कमाल

-संवाददाता-
कोरिया,02 मार्च 2026 (घटती-घटना)।
होली के रंग इस बार कोरिया जिले के ग्राम डकईपारा से और भी खास होने जा रहे हैं। जनपद बैकुंठपुर अंतर्गत उजाला महिला स्वसहायता समूह की 11 महिलाओं ने प्राकृतिक रंगों से 100 किलो से अधिक हर्बल गुलाल तैयार कर बाजार में नई पहचान बनाई है, महज 10 दिन पहले शुरू हुई इस पहल ने आज स्थानीय स्तर पर आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण का सुंदर उदाहरण पेश किया है।

प्राकृतिक खुशबू के साथ सुरक्षित रंग- महिलाओं ने चुकंदर,हल्दी,पलाश के फूल, पालक,लाल भाजी,एसेंशियल ऑयल और प्राकृतिक फूड कलर का उपयोग कर त्वचा के अनुकूल,खुशबूदार और पर्यावरण हितैषी गुलाल तैयार किया है,रासायनिक रंगों से होने वाली त्वचा एलर्जी और पर्यावरण प्रदूषण के बीच यह पहल हरित होली का संदेश दे रही है। प्राकृतिक उत्पादों से बने इन रंगों की मांग तेजी से बढ़ रही है।

बिहान से मिला प्रशिक्षण और संबल

यह पहल राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के मार्गदर्शन में आगे बढ़ी, मास्टर ट्रेनर द्वारा महिलाओं को हर्बल गुलाल निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया, प्रोडक्ट तैयार होने के बाद आकर्षक पैकेजिंग और विपणन में भी बिहान स्टाफ ने सहयोग किया, समूह ने इस कार्य की शुरुआत आंतरिक ऋण से की, जो अब आत्मविश्वास और आय का मजबूत माध्यम बनता जा रहा है।

गुणवत्ता उच्च,कीमत किफायती

महिलाओं द्वारा तैयार हर्बल गुलाल बाजार में 300 रुपये प्रति किलो की दर से उपलब्ध है, सिर्फ दो दिनों में ही समूह ने 3,200 रुपये की आय अर्जित की है और मांग लगातार बढ़ रही है, होली के निकट आते ही बिक्री में और वृद्धि की उम्मीद जताई जा रही है। स्थानीय स्तर पर तैयार उत्पाद होने के कारण ग्राहक भी इसे प्राथमिकता दे रहे हैं।

कहां मिलेगा यह हर्बल गुलाल?

यह हर्बल गुलाल जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में नगरपालिका के पास तथा संयुक्त जिला कार्यालय के समीप स्थित कोरिया मिलेट्स कैफे के सामने लगाए गए स्टॉल पर उपलब्ध है, इसके साथ ही इसे कोरिया अमृत डॉट कॉम वेबसाइट के माध्यम से ऑनलाइन भी खरीदा जा सकता है।

प्रशासन का समर्थन

कलेक्टर कोरिया श्रीमती चंदन त्रिपाठी के मार्गदर्शन में शुरू हुई इस पहल को जिला प्रशासन का पूरा सहयोग मिला है, जिला पंचायत कोरिया के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे स्थानीय महिलाओं द्वारा तैयार उत्पाद खरीदकर नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाने में योगदान दें।

आत्मनिर्भरता का नया रंग

ग्राम डकईपारा की 11 महिलाओं ने यह साबित कर दिया है कि यदि अवसर, प्रशिक्षण और आत्मविश्वास मिले तो ग्रामीण महिलाएं भी बाजार में अपनी अलग पहचान बना सकती हैं, इस होली, प्राकृतिक रंगों के साथ आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी फैलेगा और सचमुच, कोरिया जिले की होली 'उजाला' से सजेगी।

CMYK

टी20 वर्ल्ड कप: 39 साल पुरानी हार का बदला लेगा भारत, इंग्लैंड को हराकर पहुंचेगा फाइनल में

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला 4 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसमें टीम इंडिया और इंग्लैंड आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए खास है, क्योंकि ये लगातार तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में टकरा रही हैं। भारतीय टीम के पास इस बार पुराने अनुभव और हार का बदला लेने का मौका है, जबकि इंग्लैंड ने ग्रुप-2 में टॉप करके अपनी ताकत साबित की है। फैंस के लिए यह मुकाबला इतिहास और आधुनिक क्रिकेट का अनोखा संगम साबित होगा।

इतिहास की यादें और बदला लेने का मौका

वानखेड़े स्टेडियम क्रिकेट इतिहास में कई यादगार मैचों की गवाह रहा है। खासतौर पर 5 नवंबर 1987 को हुए वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भारत को इंग्लैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। उस समय भारत डिफेंडिंग चैंपियन था और घरेलू फैंस की उम्मीदें आसमान छू रही थीं। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारत की टीम इंग्लैंड के 254 रनों के स्कोर का पीछा करते हुए 219 पर ऑलआउट हो गई थी। यह हार भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बड़ा झटका साबित हुई थी। अब, 39 साल बाद वही मैदान और वही टीमें, लेकिन टी20 फॉर्मेट में, टीम इंडिया इस पुरानी हार का बदला लेने के लिए पूरी तरह तैयार है।

टीमों की फॉर्म और सेमीफाइनल तक का सफर

इंग्लैंड ने ग्रुप-2 में शीर्ष स्थान हासिल किया और सुपर-8 में अपनी पकड़ मजबूत रखी। वहीं, भारत ने सुपर-8 राउंड को दूसरे स्थान पर खत्म किया। भारतीय टीम ने पिछले मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए वेस्टइंडीज को हराकर आत्मविश्वास बढ़ाया है। अब इंग्लैंड के खिलाफ यह मुकाबला केवल सेमीफाइनल नहीं, बल्कि भारत के लिए एक पुरानी हार की भरपाई और फाइनल की टिकट सुनिश्चित करने का अवसर है।

टीम इंडिया की बल्लेबाजी और गेंदबाजी में संतुलन इस मैच की कुंजी होगी। रोहित शर्मा की कप्तानी, युवा खिलाड़ियों का उत्साह और अनुभवी खिलाड़ियों का अनुभव टीम को जीत की ओर ले जा सकता है। वहीं, इंग्लैंड की तेज़ और रणनीतिक बल्लेबाजी भी भारतीय टीम के लिए चुनौती पेश करेगी।

मुकाबले का महत्व और भविष्य की संभावनाएं

इस सेमीफाइनल का नतीजा टी20 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में प्रवेश का रास्ता तय करेगा। भारतीय टीम अगर जीतती है, तो इतिहास की पुरानी हार का बदला लेते हुए फाइनल में कदम रखेगी। वहीं, इंग्लैंड अपने लगातार अच्छे प्रदर्शन का सिलसिला जारी रखते हुए भारतीय चुनौती को मात देने की कोशिश करेगा।

बीसीसीआई ने भारतीय टीम की जीत के बाद का विडियो जारी किया

-घुटने पर बैठकर हाथ जोड़ते नजर आये सैमसन

कोलकाता (एजेंसी)। संजू सैमसन की नाबाद अर्धशतकीय पारी से भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्वकप के तीसरे और अंतिम सुपर-8 मैच में वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारतीय टीम की जीत के बाद सैमसन ने ड्रेसिंग रूम में पहुंचते ही सबसे पहले घुटने टेककर और हाथ जोड़कर ईश्वर को याद किया। इस मैच में भारतीय टीम को जीत के लिए 196 रनों का कठिन लक्ष्य मिला था जिसे भारतीय टीम ने सैमसन की 97 रनों की पारी से हासिल कर लिया। सैमसन ने अपने करियर की सबसे अच्छी पारियों में से एक खेलकर एक बार फिर अपनी क्षमताएं दिखायी हैं। भारतीय टीम की जीत के बाद क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो भी सोशल मीडिया में जारी किया है जिसमें भारतीय टीम की जीत के बाद के पलों को दिखाया गया है।

इस वीडियो में दिख रह है कि सैमसन के विजयी शॉट लगाते ही डगआउट में मौजूद सभी खिलाड़ी खुशी से झूम उठते हैं। इसके बाद सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा मैदान पर दौड़ लगाते हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव टीम टीम के साथ मैदान में उतरते हैं और सैमसन से मिलते हैं। इसके बाद बाकी खिलाड़ी भी उनसे मिलते हैं। वीडियो के अंत में नजर आता है कि ड्रेसिंग रूम में पहुंचते ही सैमसन अपनी किट के आगे घुटने टेकते हैं और फिर हाथ जोड़कर ऊपर वाले का आभार जताते हैं।

सैमसन ने मैच के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि पिछले गेम में हम पहले बल्लेबाजी कर रहे थे, तो बड़ा स्कोर बनाने पर ध्यान था। इस बार मैं पहली गेंद से ही बड़ा स्कोर बनाना चाहता था। लेकिन यह गेम बिल्कुल अलग था। मुझे लगता है कि जैसे ही मैं तेजी से खेलने जाना चाह रहा था तभी हम विकेट खो रहे थे। इसलिए मुझे लगा कि हमें एक साझेदारी की जरुरी है। मैं अत टिककर खेलने पर ध्यान देने लगा। मुझे कभी नहीं लगा कि मैं ऐसा कुछ खास कर पाऊंगा, लेकिन मैं बस अपनी भूमिका पर ध्यान दे रहा था। इस दैरान मैं एक बार में एक ही गेंद पर ध्यान दे रहा था। ये मेरी सबसे अच्छी पारियों में से एक रही।'

अभी भी मेरे अंदर भारतीय टीम से खेलने का जुनून : शमी

मुम्बई (एजेंसी)। पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का कहना है कि उनके अंदर अभी भी भारतीय टीम से खेलने का जुनून है। शमी ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर इसके बाद भी उनकी उपेक्षा हुई है। शमी ने अंतिम बार साल 2025 में खेला था। इसके बाद से ही वह किसी भी प्रारुप में नहीं खेले हैं हालांकि वह घरेलू क्रिकेट में लगातार खेल रहे हैं। शमी का कहना है कि वह अभी भी देश के लिए खेलना चाहते हैं। साथ ही कहा कि उनमें अभी भी खेलने की क्षमता है।

शमी ने कहा, 'मैं हमेशा कहता हूं, चाहे आप कोई भी खेल खेलें, अगर आपके अंदर योग्यता है तो उसे बेकार न करें। ' नवंबर 2024 में लंबी चोट के बाद वापसी करने के बाद शमी ने घरेलू क्रिकेट में काफी मेहनत की है। रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन में बंगाल के लिए खेलते हुए वह काफी अच्छे फॉर्म में नजर आये। सेमीफाइनल में जम्मू-कश्मीर के खिलाफ उन्होंने काफी अच्छा खेल दिखाया है। इस सीजन की 12 पारियों में शमी ने 36 विकेट लिए हैं और वे टूर्नामेंट में छठे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।

2025 की शुरुआत में टी20 मैचों और विजेता चैंपियंस ट्रॉफी में शामिल रहने के बाद भी उन्हें भारतीय टीम में जगह नहीं मिली। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में भी उन्हें शामिल नहीं किया गया और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी वे एकदिवसीय और टी20 टीम से बाहर रहे। वही ये भी सवाल उठ रहे हैं कि क्या वे फिर से पांच दिन का लंबा प्रारुप खेल पाएंगे। इसको लेकर उन्होंने कहा, 'देश का प्रतिनिधित्व करने की बात हो तो मैं अपना सब कुछ दे दूंगा। मैं कभी पीछे मुड़कर ये नहीं सोचना चाहता कि मैंने अपनी क्षमता का थोड़ा भी हिस्सा अधूरा छोड़ दिया।'शमी की इन बातों से एक बात तो साफ है कि वह आलोचनाओं से डरे नहीं हैं। उन्होंने कहा हर खिलाड़ी देश के लिए खेलना चाहता है और मैं भी हमेश तैयार हूं।

मध्यपूर्व में जारी संघर्ष के कारण स्वदेश नहीं लौट पा रही जिम्बाब्वे टीम

मुम्बई (एजेंसी)। खाड़ी देशों में जारी संघर्ष के कारण जिम्बाब्वे की टीम टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भी भारत में ही फंसी हुई है। जिम्बाब्वे की टीम दुबई हवाई अड्डे के बंद होने के बाद से ही स्वदेश वापसी की योजना पर अपने क्रिकेट बोर्ड के अगले आदेश का इंतजार कर रही है।

जिम्बाब्वे की टीम रविवार को सुपर आठ चरण के अपने अंतिम मैच में दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद से ही स्वदेश लौटने की तैयारी में लगी थी पर अचानक ही अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले के बाद से ही खाड़ी देशों से सभी उड़ाने बाधित हो गयीं। टीम के अधिकांश खिलाड़ी सोमवार सुबह से दिल्ली से तीन अलग-अलग चरणों में रवाना होने वाले थे पर ये संभव नहीं हुआ। टीम के मुख्य कोच जस्टिन सैमन्स ने बताया कि अभी वापसी को टाल दिया गया है अभी हम इंतजार की रणनीति पर काम कर रहे हैं।

वहीं जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर ग्रीम क्रीमर दुबई में रहते हैं और मध्य पूर्व के प्रमुख हवाई अड्डों के हवाई क्षेत्र बंद होने के बाद उनकी यात्रा योजना भी अभी टल गई है। टीम के अन्य खिलाड़ियों को दुबई से आगे की उड़ान लेनी थी। मुख्य कोच सैमन्स ने कहा, खिलाड़ियों के लिए इस तरह की स्थिति की अनदेखी करना कठिन है लेकिन फिर भी सबका ध्यान रविवार को मैच के दौरान खेल पर ही था। उन्होंने मौजूदा स्थिति से खेल के प्रभावित होने के बारे में पूछे जाने पर कहा, सबके दिमाग में यह था कि उन्हें सोमवार को घर के लिए निकलना है। टीम के अंदर इस पर बात हो रही थी पर मैदान पर कदम रखते समय उनका पूरा ध्यान मैच पर ही था। सैमन्स ने कहा कि रविवार को टीम को कोई नई जानकारी नहीं दी गई है। उन्होंने कहा, जब हमने मैच शुरू किया था, तब कोई जानकारी नहीं थी। उसके बाद पूरा ध्यान खेल पर रहा। तब से मुझे कोई जानकारी नहीं मिली है। दुबई हवाई अड्डा बंद होने के कारण खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के लिए अब अदीस अबाबा स्थित इथोपियाई एयरलाइंस के जरिए स्वदेश लौटने का विकल्प है। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भी कहा है कि टी20 विश्व कप से लौट रहे खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था कर रही है। यह कदम अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष के कारण उड़ाने बंद होने के कारण उठाया गया है। हमलों के बाद उत्पन्न व्यवधान को देखते हुए उठाया जा रहा है। वहीं दक्षिण अफ्रीका की टीम सेमीफाइनल में पहुंची है और उसके दिमाग में भी वापसी को लेकर संशय है। टीम के मुख्य कोच शुक्री कॉनराड ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष की स्थिति खिलाड़ियों के बीच चर्चा का विषय रहा है। आप इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते पर हमारा ध्यान खेल पर ही रहेगा।

डेनमार्क में लगभग एक करोड़ 8 लाख में नीलाम हुआ पहले ओलंपिक का पदक

कोपेनहेगन। डेनमार्क में एक नीलामी में आधुनिक ओलंपिक खेलों के पहले मेडल को लगभग एक करोड़ आठ लाख रुपये यूरो में बेचा गया है। 'ब्रून रासमुसेन आर्ट्स ऑक्शनियर्स 'द्वारा आयोजित नीलामी में इस पदक को बिक्री के लिए रखा गया था, जो 1896 में एथेंस में आयोजित दुनिया के पहले आधुनिक ओलंपिक खेलों में प्रदान किया गया था। उन खेलों में, पहले स्थान पर आने वाले विजेताओं को रजत पदक (सिल्वर मेडल) दिए गए थे, जबकि दूसरे स्थान पर रहने वालों को कांस्य पदक (ब्रोंज मेडल) प्रदान किए गए थे। स्वर्ण पदक बाद के ओलंपिक खेलों में दिया जाने लगा था। प्रसिद्ध फ्रांसीसी कलाकार जूल्स-क्लेमेंट चैपलैन द्वारा उकेरा गया यह पदक शास्त्रीय प्रतीकों से समृद्ध है। पदक के सामने के हिस्से पर फूल-पत्तों के मुकुट से सुसज्जित यूनानी देवता ज्यूस का चित्र है, जिन्होंने अपने हाथ में एक ग्लोब पकड़ा हुआ है, जिसके ऊपर विजय की देवी नाइकी जैतून की टहनी लिये खड़ी हैं। पहले आधुनिक ओलंपिक में 14 देशों के 241 एथलीटों ने हिस्सा लिया था, जिन्होंने नौ खेलों और 43 स्पर्धाओं में प्रतिस्पर्धा की थी।

सैमसन की प्रशंसा करते हुए गंभीर बोले, हमेशा से उसकी क्षमताओं का अंदाजा था

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने तीसरे सुपर-8 मुकाबले में शानदार पारी खेलने वाले बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा की है। साथ ही कहा वह हमेशा से उसकी क्षमता जानते थे। गंभीर के अनुसार कहते हैं कि सब्र का फल मीठा होता है और यही उसे मिला है। सैमसन को न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में खराब प्रदर्शन के कारण विश्वकप के शुरुआती मैच के लिए टीम में जगह नहीं मिली थी। न्यूजीलैंड के खिलाफ उस सीरीज में सैमसन एक बार भी 30 रन तक नहीं पहुंच पाये थे, वहीं एक बार वह शून्य पर ही आउट हुए थे। इसके अलावा गोल्डन डक के साथ वह कुल 3 बार दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये थे। गंभीर ने कहा, संजू एक विश्व स्तरीय खिलाड़ी है, सही जानते हैं कि वह कितना अच्छा खिलाड़ी है। टीम को जब उसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी, तो उससे अपने को साबित किया। वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में उसकी क्षमताएं सामने आई हैं। उम्मीद है, यह उसके लिए बेहतर प्रदर्शन का समय है और आगे के दो और गेम में भी रहेगा। उसने वेस्टइंडीज के खिलाफ पारी में कभी भी तेज खेलने का प्रयास नहीं किया। केवल सामान्य शॉट ही लगाये। मैंने उसे कभी बॉल को ताकत से मारते हुए भी नहीं देखा, और उसमें इसी तरह की प्रतिभा है। जब आपको पता होता है कि गेम आपके नियंत्रण में है और आप जानते हैं कि आप अच्छा महसूस कर रहे हैं, तो मनोबल बढ़ा रहता है। वह नेट्स में भी गेंद को बहुत अच्छी तरह से खेल कर रहा है और अब उसने मैदान में उसी क्षमता को दिखाया है। उसे पता था कि विकेट बहुत अच्छा था, आउटफील्ड भी तेज थी, मैंने हमेशा कहा है कि वह एक शीर्ष स्तर का खिलाड़ी है, वह एक शानदार प्रतिभा है, उम्मीद है कि हम संजू से ऐसी और भी पारियों की उम्मीद करेंगे।

कोच अमेलिया के मार्गदर्शन में वियतनाम के खिलाफ उतरेगी भारतीय महिला फुटबॉल टीम

-एएफसी महिला एशियन कप फुटबॉल

पर्थ (एजेंसी)। एएफसी महिला एशियन कप फुटबॉल में भारतीय महिला टीम 4 मार्च को वियतनाम के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। भारतीय टीम को इस मुकाबले में पूरी ताकत से उतरना होगा। इसका कारण है कि वियतनाम का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में लगातार बेहतर हुआ है। नई मुख्य कोच अमेलिया वाल्वेर्दे, के मार्गदर्शन में भारतीय टीम का ये पहला मुकाबला होगा। ये मुकाबला टीम के लिए आसान नहीं होगा। वियतनामी टीम साल 2022 में क्वार्टरफाइनल में पहुंची थी। इस मुकाबले के बाद भारतीय टीम को दो बार की विजो जापान से खेलना होगा। ये मुकाबला भी काफी कठिन होगा क्योंकि जापान फीफा रैंकिंग में शीर्ष टीमों में से एक है। जापान की कई खिलाड़ी इंग्लैंड लीग में भी खेलती हैं, जिससे भी वह काफी बेहतर मानी जाती हैं।

भारतीय टीम 10 मार्च को भारत चीनी ताइपे से खेलेगी। फीफा रैंकिंग में 67वें स्थान पर मौजूद भारत के लिए नॉकआउट चरण में पहुंचना बड़ी उपलब्धि होगी। कोच वाल्वेर्दे के अनुसार भारतीय टीम के पास सही मिश्रण और सही सोच है। मौजूद जानकारी के अनुसार भारतीय टीम में युवा जोश और अनुभव का संतुलन है। 2022 संस्करण में शामिल सात खिलाड़ी फिर से टीम में हैं, जबकि छह नए चेहरे पहली बार इस मंच पर उतरेंगे।इस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल और क्वार्टरफाइनल में हारने वाली टीमों के बीच प्ले-ऑफ जीतने वाली दो टीमों को सीधे 2027 विश्व कप के लिए प्रवेश मिलो जबकि बच हुई टीमों को इंटर-कॉन्टिनेंटल प्ले-ऑफ के जरिये आगे जाना होगा। इस टूर्नामेंट में अगले 20 दिनों टूर्नामेंट में 12 टीमें 27 मुकाबलों में उतरेंगी जिससे एशियाई चैंपियन का फैसला होगा। इससे उनकी 2027 महिला विश्व कप और 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक की राह भी आसान होगी। मेजबान ऑस्ट्रेलिया के लिए यह टूर्नामेंट बेहद खास माना जा रहा है। स्टार खिलाड़ी सैम केर की कप्तानी वाली टीम की स्वर्णिम पीढ़ी के लिए घरेलू मैदान पर बड़ा खिताब जीतने का यह शायद आखिरी मौका हो सकता है।

ईरान का फुटबॉल विश्व कप में खेलना संदिग्ध

तेहरान। ईरान के फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष मेहदी ताज ने कहा कि अमेरिका और इजरायल के उनके देश पर किए गए हमले के बाद वह पक्के तौर पर नहीं कह सकते कि उनकी टीम इस साल अमेरिका में होने वाले फीफा विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में खेल पाएगी या नहीं। मेहदी ताज ने कहा, 'निश्चित रूप से इस हमले के बाद हम विश्व कप में भाग लेने को लेकर उम्मीद की दृष्टि से नहीं देख सकते।' अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद ईरान ने भी जवाबी हमले किए। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद इस देश का भविष्य अनिश्चितता में डूब गया है और क्षेत्रीय अस्थिरता का खतरा बढ़ गया है। विश्व कप में ईरान को ग्रुप जी में रखा गया है और उसे इंग्लेवुड, कैलिफोर्निया में 15 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ मैच खेलने हैं। इसक बाद वह 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ पहले दौर का अपना अंतिम मैच खेलेगा। विश्व कप फुटबॉल 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा।

बाबर के बचाव में उतरे पुजारा

मुम्बई। भारतीय टेस्ट टीम के बल्लेबाज रहे चेतेश्वर पुजारा ने कहा है टी20 विश्वकप में पाकिस्तान के खराब प्रदर्शन के लिए केवल अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम को ही दोष देना सही नहीं हैं। पुजारा के अनुसार टीम प्रबंधन को बाबर के साथ स्पष्ट रुप से बातचीत कर बताना चाहिये कि टीम उनसे क्या चाहती है। पुजारा ने कहा कि अगर बाबर टीम की भविष्य की योजनाओं में फिट नहीं बैठते हैं, तो उन्हें यह बात स्पष्ट रुप से बता देनी चाहिये। उनके अनुसार, केवल एक खिलाड़ी से ही परिणाम प्रभावित नहीं होता, विफलता के लिए पूरी टीम जिम्मेदार होती है।पुजारा ने कहा कि पाक टीम के खराब प्रदर्शन का कारण मध्यक्रम की विफलता है। वहीं बाबर को इस टूर्नामेंट में मध्यक्रम में उतारा गया और वह रन नहीं बना पाये। उनके आउट होने से टीम का मध्यक्रम लगातार दबाव में दिखा, जिससे पाकिस्तान की बल्लेबाज ढ़हती दिखी।बाबर ने इस टूर्नामेंट में 6 मैच खेले और 4 पारियों में 91 रन बनाए। उनका औसत 22.75 और स्ट्राइक रेट 112.34 रहा। उनका सबसे अधिक स्कोर 46 रन रहा। ये उन्होंने अमेरिका के खिलाफ बनाया था। भारत के खिलाफ वह एक रन ही बना पाये। पुजारा ने बल्लेबाज फखर ज़मान टूर्नामेंट में काफी रन बनाने वाले साहिबज़ादा फरहान की भी प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पाक की असली ताकत निडर और आक्रामक क्रिकेट में है, और यही अंदाज उन्हें आगे भी अपनाना होगा पर वर्तमान में टीम काफी रक्षात्मक है।

तीरंदाज अंकिता भकत की नजरें एशियाई खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर लगी

नई दिल्ली। तीरंदाज अंकिता भकत आजकल 2026 एशियाई खेलों की तैयारियों में लगी हैं। अंकिता एशियाई खेलों में अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हैं। इसमें वह अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ औसत स्कोर पार करना चाहती हैं। उनका मानना है कि अगर तकनीक पर पूरी पकड़ बन गई, तो वह बड़े मंच पर देश के लिए बड़ा पदक जीत सकती हैं।अंकिता ने अपनी मेहनत से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फिर से पहचान बनाई है। पिछले साल उसने दक्षिण कोरिया में विपरीत हालातों में अभ्यास किया था। पेरिस ओलंपिक 2024 में चौथे स्थान पर रहने के कुछ महीनों बाद ही उन्होंने खुद को और बेहतर बनाने का फैसला लिया। अंकिता ने टोक्यो ओलंपिक पदक विजेता कांग चेयॉन्ग और जांग मिन ही को भी हाल में हराया था, वहीं पेरिस ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट सु-ह्योन पर भी जीत दर्ज की। ऐसे में अब वह एशियाई खेलों को लेकर उत्साहित हैं। अंकिता ने बहुत कम उम्र में कोलकाता के सर्कस ग्राउंड से तीरंदाजी शुरू की थी। लकड़ी के धनुष से शुरुआत कर उन्होंने टाटा आर्चरी अकादमी, जमशेदपुर तक का सफर तय किया। 2016 में पहली बार भारतीय टीम में जगह मिली और तब से अब तक वह कई अंतरराष्ट्रीय पदक जीत चुकी हैं। 2023 एशियन गेम्स में टीम ब्रॉन्ज भी उनके खाते में है।पेरिस ओलंपिक में हालांकि कुछ निर्णायक तीर निशाने से रह गये थे जिससे वह असफल रहीं। अंकिता का साफ कहना है कि हर खिलाड़ी से कभी-कभी गलती होती है और वह उन पलों को सीख की तरह लेती हैं। कोच के अनुसार वह अब पहले से बेहतर हुई है।

सिंधु का ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप से बाहर रहना तय, लक्ष्य सेन पर होगी नजर

हैदराबाद (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का मंगलवार से यहां शुरू होने वाली अखिल इंग्लैंड बैडमिंटन चैंपियनशिप से बाहर रहना तय है क्योंकि अमेरिका के ईरान पर हमले के बाद खाड़ी क्षेत्र में हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण वह दुबई में फंस गई हैं। खिलाड़ियों के यात्रा संबंधी बाधाओं ने सुपर इस 1000 प्रतियोगिता की तैयारियों को बुरी तरह प्रभावित किया है।

सिंधु शनिवार से दुबई में फंसी हुई हैं क्योंकि ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों और उसके बाद ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। सिंधु और उनके कोच इंडोनेशिया के इरवानस्याह आदि प्रतामा दुबई में फंसे हुए हैं। वह उनके ठहरने के स्थान के करीब हुए विस्फोट में बाल-बाल बच गए थे। खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ने के कारण उन्हें बाद में एक सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया।

भारतीय स्टार खिलाड़ी को पहले दौर में थाईलैंड की सुपानिडा कटेथोंग का सामना करना था, लेकिन दुबई के हवाई क्षेत्र और हवाई अड्डे के बंद रहने के कारण उन्हें टूर्नामेंट से हटना पड़ेगा। विश्व बैडमिंटन महासंघ (BWF) भी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है तथा देर से पहुंचने वाले खिलाड़ियों की मदद करने के लिए तैयार है। सिंधु की टूर्नामेंट में भागीदारी अभी अनिश्चित है, लेकिन भारत के कुछ अन्य खिलाड़ी सिंगापुर और अफ्रीका के वैकल्पिक मार्गों से बर्मिंघम पहुंच गए हैं। हालांकि यह देखना बाकी है कि लंबी और थका देने वाली यात्रा उनकी तैयारियों को कितना प्रभावित करेगी।

भारत के शीर्ष पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन और उभरते युवा खिलाड़ी आयुष शेट्टी यात्रा संबंधी किसी भी तरह की समस्या के बिना यहां पहुंच गए हैं। लक्ष्य का पहले दौर में मुकाबला चीन के विश्व के नंबर एक खिलाड़ी शी यु ची से होगा, जबकि आयुष इंडोनेशिया के अलवी फरहान के खिलाफ खेलेंगे। लक्ष्य के लिए पहले दौर की चुनौती बड़ी मुश्किल होगी क्योंकि वह चीन के खिलाड़ी से पिछले पांच मुकाबलों में से चार में हार चुके हैं। आयुष को भी फरहान से पांच मुकाबलों में से तीन में हार का सामना करना पड़ा है, जिसमें जनवरी में इंडोनेशिया मास्टर्स का मुकाबला भी शामिल है।

महिला एकल वर्ग में मालविका बंसोड़ को तोक्यो ओलंपिक चैंपियन चीन की चेन युफेई के खिलाफ कड़ी शुरुआती चुनौती का सामना करना पड़ेगा। उन्नति हुडा अफ्रीका के रास्ते यहां पहुंची है और उन्हें अपने पहले मैच में थाईलैंड की आठवीं वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से भिड़ने पर जेट लैग से उबरने की जरूरत होगी। पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी पहले दौर में मलेशिया के कांग खाई जिंग और आरोन ताई के खिलाफ खेलेंगे। महिला युगल में त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद का सामना जापान की सायका हिरोटा और अयाको सकुरामोतो से होगा।

मिश्रित युगल में ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो का मुकाबला मलेशिया के हू पांग रॉन और चेंग सु यिन से, जबकि रोहन कपूर और रुत्विका शिवानी गड्डे का फ्रांस के थॉम गिक्वेल और डेल्फिन डेलरू से होगा। प्रकाश पादुकोण (1980) और पुलेला गोपीचंद (2001) ही ऐसे भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने ऑल इंग्लैंड का खिताब जीता है। हाल के वर्षों में केवल साइना नेहवाल (2015 उपविजेता) और लक्ष्य (2022 उपविजेता) ही इसके करीब पहुंच पाए।

रायपुर प्रेस क्लब के होली मिलन समारोह 'रंगोत्सव' मुख्यमंत्री हुए शामिल

होली सद्भाव,अपनत्व और गिले-शिकवे भुलाने का पर्व है : मुख्यमंत्री साय

रायपुर,02 मार्च 2026। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज रायपुर प्रेस क्लब द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह 'रंगोत्सव' एवं 'महामूर्ख सम्मेलन 2026' में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को होली की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह आपसी प्रेम,सद्भाव और भाईचारे को सुदृढ़ करने का पावन अवसर भी है। यह पर्व हमें छोटी-छोटी अनबन और गिले-शिकवे भुलाकर नए सिरे से संबंधों को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि रायपुर प्रेस क्लब में पर्वों को मिल-जुलकर मनाने की एक गौरवशाली परंपरा रही है। रायपुर प्रेस क्लब वर्षों से होली मिलन और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने का कार्य कर रहा है, यह परंपरा आगे भी निरंतर जारी रहनी चाहिए। उन्होंने प्रेस क्लब परिवार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कामना की कि यह उल्लासपूर्ण पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मकता लेकर आए। इस दौरान रायपुर प्रेस क्लब के सदस्यों ने मुख्यमंत्री साय का अनूठे अंदाज में मिर्ची की माला पहनाकर तथा त्रिशूलनुमा पिचकारी भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने प्रेस क्लब के होली विशेषांक 'सेंसलेस टाइम्स' का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री साय ने बजाया नगाड़ा,रंगों के उल्लास में झूमे पत्रकार

होली मिलन समारोह में उमंग का तब अनोखा वातावरण देखने को मिला, जब मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वयं नगाड़ा बजाकर उत्सव का जोश दोगुना कर दिया। मुख्यमंत्री के नगाड़ा बजाते ही समारोह में उपस्थित पत्रकारों और अतिथियों ने तालियों से उत्साह व्यक्त किया और पूरे परिसर में आनंद की लहर दौड़ गई। पारंपरिक ढोल-नगाड़ों की धुन पर मुख्यमंत्री भी पत्रकार साथियों के साथ फाग गीतों और होली के उल्लास में सहभागी बने। कार्यक्रम में संगीत, संस्कृति और आपसी भाईचारे का सुंदर संगम देखने को मिला। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार पंकज झा,मुख्यमंत्री के सलाहकार आर कृष्णा दास,राजनांदगांव सांसद संतोष पांडेय,विधायक सुनील सोनी,मोतीलाल साहू,नगर निगम अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव,रायपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष मोहन तिवारी सहित अन्य पत्रकारगण,जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

होली पर सख्ती...पुलिस ने जब्त की 300 डरावने मुखौटे,व्यापारियों को दी चेतावनी

कांकेर/जांजगीर,02 मार्च 2026। रंगों का पर्व होली के लिए बाजार पूरी तरह सजकर तैयार हो गया है। शहर के गोल बाजार सहित मुख्य मार्गों, मोहल्लों और गलियों में रंग-गुलाल,पिचकारी और होली से जुड़े अन्य सामानों की अस्थायी दुकानें सज गई है। सुबह से लेकर देर रात तक इन दुकानों में खरीदारों की भीड़ देखी जा रही है। वहीं मुखौटा बेचने पर जांजगीर में पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। होली को लेकर बच्चों और युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। बाजारों में विभिन्न रंगों के गुलाल, हर्बल रंग, अबीर, मुखौटे और आकर्षक पिचकारियां उपलब्ध हैं। इस बार बाजार में पारंपरिक पिचकारियों के साथ-साथ हथौड़ी,तलवार,आर्मी गन,मथानी, बॉर्डर टैंक सहित कई नए डिजाइन की पिचकारियां बच्चों को आकर्षित कर रही है। दुकानदारों का कहना है कि ग्राहकों की मांग को देखते हुए पर्याप्त स्टॉक मंगाया है। खासकर बच्चों के लिए कार्टून और आधुनिक डिजाइन वाली पिचकारियां अधिक पसंद की जा रही है। महिलाएं भी घरों में होली की तैयारियों के लिए रंग-गुलाल और पूजन सामग्री की खरीदारी कर रही हैं। वहीं युवाओं में हर्बल और प्राकृतिक रंगों की मांग बढ़ी है, जिससे त्वचा को नुकसान न पहुंचे। कुल मिलाकर कांकेर शहर में होली को लेकर उत्साह का माहौल है और बाजारों की रौनक इस पर्व की आहट साफ तौर पर दिखा रही है।

300 नग डरावने और भ्रामक मुखौटे जब्त

होली पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से जांजगीर पुलिस ने विशेष अभियान के तहत क्षेत्र की विभिन्न दुकानों की जांच कर लगभग 300 नग डरावने एवं भ्रामक मुखौटे जब्त किए। पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के मार्गदर्शन में जिले से शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जांजगीर चांपा पुलिस असामाजिक तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई कर रही है। होली त्यौहारों में कुछ असामाजिक तत्व मुखौटों का उपयोग कर पहचान छिपाकर हुड़दंग, मारपीट या अन्य आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दे सकते हैं। इसी आशंका को देखते हुए एहतियातन कार्रवाई की गई है।

तुरंत पुलिस को दें संदिग्ध गतिविधि की सूचना

थाना प्रभारी बलौदा निरीक्षक मनोहर सिन्हा ने व्यापारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि होली पर्व के दौरान डरावने, आपत्तिजनक या कानून-व्यवस्था प्रभावित करने वाले मुखौटे एवं सामान की बिक्री न करें। साथ ही आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे शांति, सौहार्द एवं भाईचारे के साथ त्योहार मनाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। पुलिस प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। त्योहार को सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए पुलिस द्वारा लगातार पेट्रोलिंग एवं निगरानी की जा रही है।

भाजपा नेताओं के भी धान-खरीदी की जानकारी करें सार्वजनिक : दीपक बैज

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा...यह बीजेपी की स्तरहीन राजनीति,खैरात नहीं

यपुर,02 मार्च 2026। धान खरीदी को लेकर देश की राजनीति गरमा गई है। बीजेपी ने सोशल डिया पर एक पोस्टर जारी कर कांग्रेस नेताओं और नके परिजनों को धान बिक्री पर मिले भुगतान का ावरण साझा किया। इस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पक बैज ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। दीपक बैज ने हा कि, यह भाजपा की स्तरहीन राजनीति है। यदि हम ौर हमारे नेता किसान हैं,तो स्वाभाविक है कि हमारी फज का मूल्य हमें मिलेगा। भाजपा ने कोई खैरात नहीं है, यह हमारे खून-पसीने की कमाई है।

भाजपा नेताओं के भुगतान भी सार्वजनिक करें : बैज

पक बैज ने कहा कि, भाजपा ने कांग्रेस नेताओं के म सार्वजनिक कर दिए, लेकिन क्या भाजपा में सान नहीं हैं? क्या भाजपा नेताओं ने धान नहीं चा? उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि यदि भाजपा में हस है तो मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय,किरण देव,पूर्व ख्यमंत्री रमन सिंह,अजय चंद्राकर और धरमलाल ौशिक समेत अन्य नेताओं को धान बिक्री पर कितना गतान हुआ,यह भी सार्वजनिक किया जाए। प्रदेश ांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि,भाजपा सरकार ने 7 लाख किसानों का धान नहीं खरीदा और लाखों किसानों से रकबा सरेंडर करवाया। उन्होंने दावा किया कि अंतर राशि में करीब 2600 करोड़ रुपए कम दिए गए हैं और अब बयानबाजी कर असली मुद्दे से ध्यान भटकाया जा रहा है। बैज ने कहा कि, सरकार ने किसानों के खातों में आधी-अधूरी अंतर राशि डाली है। यह राशि समर्थन मूल्य और 3100 रुपए घोषित दर के बीच की है। उन्होंने तर्क दिया कि पिछले दो वर्षों में समर्थन मूल्य में 117 और 89 रुपए यानी कुल 206 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में अंतर राशि की गणना 3286 रुपए के आधार पर होनी चाहिए। बैज के मुताबिक,सरकार 3100 रुपए के हिसाब से भुगतान कर किसानों से अन्याय कर रही है।

होली पर उपद्रवी और हुड़दंगी जाएंगे जेल

बिलासपुर आईजी ने सभी एसपी को दिए निर्देश,कहा...बदमाशों की धरपकड़ कर सख्त कार्रवाई करें

बिलासपुर,02 मार्च 2026। बिलासपुर में आईजी रामगोपाल गर्ग ने होली के मद्देनजर सभी जिलों के एसपी की बैठक ली। उन्होंने पुलिस व्यवस्था और बंदोबस्त की समीक्षा करते हुए उपद्रव मचाने वाले बदमाशों की धरपकड़ करने के निर्देश दिए। होली पर्व शांति पूर्ण तरीके से मनाने के लिए उन्होंने लगातार सघन जांच करने और असामाजिक तत्वों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। आईजी गर्ग ने पुलिस अधीक्षकों को जिला और थाना स्तर पर शांति समिति की बैठक लेकर,होली सौहार्दपूर्ण मनाने के लिए समाज के विभिन्न वर्गों से चर्चा कर,गाइडलाइन का निर्धारण करने कहा। रात में शराब पीकर हुड़दंग करने वाले और असमाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।

पाइंट बनाकर पेट्रोलिंग करने के निर्देश

आईजी ने निर्देश दिए हैं कि होलिका दहन की शाम से लेकर अगले दिन होली खत्म होने तक पुलिस लगातार पेट्रोलिंग करे। जगह-जगह चेकिंग पॉइंट और पिकेट लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि इस दौरान गुंडे-बदमाशों की खास जांच की जाए। अवैध शराब बेचने वालों और नशा करके शांति भंग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। होली पर कोई भी अप्रिय घटना न हो,इसके लिए पुलिस को पूरी तैयारी और सुरक्षा व्यवस्था रखने के निर्देश दिए गए हैं।

आईजी की अपील उल्लास और उमंग के साथ मनाए होली...

आईजी ने लोगों से अपील की है कि होली खुशी और उत्साह के साथ मनाएं, लेकिन हुड़दंग न करें। नशा करके गाड़ी न चलाएं, बाइक पर तीन-चार लोग बैठकर न घूमें और चिल्लाकर गाली-गलौज न करें। ऐसे असामाजिक तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि अपनी होली मनाएं,लेकिन दूसरों के त्योहार में बाधा न डालें। होली को लेकर रेंज पुलिस ने हुड़दंगियों को चेतावनी देने के लिए मीम मैसेज भी जारी किए हैं। साथ ही सभी जिलों को निर्देश दिए गए हैं कि पुलिस पूरी तरह सतर्क रहे और किसी भी सूचना पर तुरंत कार्रवाई करे।

बिलासपुर में पुलिस सख्त, रात में घूमने वालों की खैर नहीं

एसएसपी रजनेश सिंह ने सभी पुलिस अफसरों और थाना प्रभारियों को रात में विशेष निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत शहर के साथ ही ग्रामीण इलाकों में भी पुलिस को लगातार पेट्रोलिंग करने और बदमाशों की धरकपड़ करने कहा है। उन्होंने बताया कि पुलिस की टीम होली से पहले ही अलर्ट है। निगरानी और गुंडा-बदमाशों को थाने बुलाकर सख्त चेतावनी दी गई है। इसके अलावा रात में शराब पीकर वाहन चलाने वालों की सघन जांच की जा रही है। होली से पहले ही ऐसे असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जा रही है।

पूर्व डीजी राजीव श्रीवास्तव पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण के सदस्य नियुक्त

रायपुर,02 मार्च 2026। रायपुर में राज्य पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण के सदस्य पद पर पूर्व डीजी राजीव श्रीवास्तव की नियुक्ति की गई है। उन्होंने सोमवार को आधिकारिक रूप से अपना कार्यभार ग्रहण किया। पदभार संभालने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री से मुलाकात की और प्राधिकरण की वर्तमान कार्यप्रणाली पर विस्तार से चर्चा की। मुलाकात के दौरान राजीव श्रीवास्तव ने राज्य पुलिस जवाबदेही प्राधिकरण की चल रही गतिविधियों,प्राथमिकताओं और आगामी योजनाओं की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण का उद्देश्य पुलिस व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही को और अधिक मजबूत करना है। साथ ही आम नागरिकों का पुलिस तंत्र पर विश्वास बढ़ाने के लिए विभिन्न सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं।

अजय चन्द्राकर ने अमरजीत भगत को कोमा में होना बताया,पार्टी में परिवारवाद पर पॉलिटिक्स दंगल

रायपुर,02 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ की साय सरकार द्वारा कृषक उन्नति योजना चलाई जा रही है। इस योजना में प्रदेश के कांग्रेस नेताओं को भी राशि मिल रही है। भाजपा ने जानकारी देते हुए बताया कि, कांग्रेस नेताओं को कृषक उन्नति योजना की राशि मिल रही है। भाजपा के इस बयान पर प्रदेश के पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने पलटवार किया है। अमरजीत भगत ने कहा कि, योजना का लाभ मिल रहा है भाजपा किसी पर कोई एहसान नहीं कर रही है। भाजपा कांग्रेस नेताओं की पत्नी और बहू का नाम ना डालें। भाजपा अपने नेताओं की पत्नी और बहू का भी नाम डालें। उन्होंने आगे कहा कि, भाजपा नेता बहूपत्नीक हो सकते हैं इसलिए नाम नहीं डाल रहे होंगे पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के इस बयान पर भाजपा सरकार के पूर्व मंत्री और वर्तमान विधायक अजय चंद्राकर ने पलटवार किया है। विधायक अजय चंद्राकर ने कहा कि, कांग्रेस ने आंकड़े और नाम जारी करने की परंपरा डाली थी और कांग्रेस नेताओं नाम जारी हुआ तो बुरा लग रहा है।

रायपुर के कैफे में चंगाई-सभा,यीशु को सबसे बड़ा बताया

धर्म बदलने पर नौकरी-इलाज का दिया लालच, हिंदू संगठन ने किया विरोध, 4 हिरासत में

रायपुर,2 मार्च 2026। रायपुर के डिवाइन कैफे में चंगाई सभा का आयोजन किया गया था। कैफे में धर्मांतरण और हिंदू देवी-देवताओं के अपमान को लेकर जमकर बवाल हुआ। बताया जा रहा है कि सभा में ईसाई समुदाय के कुछ लोगों ने यीशु को भगवान से बड़ा बताया और प्राइवेट नौकरी दिलाने का वादा कर लोगों से ईसाई धर्म अपनाने के लिए कहा। वहीं, सभा में मौजूद हिंदू संगठनों के सदस्यों ने इसका विरोध किया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच जमकर बहस हुई और विवाद की स्थिति बन गई। इस दौरान हिंदू संगठन के सदस्यों ने नारेबाजी भी की। हिंदू संगठन के सदस्यों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने इस मामले में 4 लोगों को हिरासत में लिया है।

हिरासत लिए गए लोगों के नाम सैफीन,आमीन,उदय और श्रीकांत बताए जा रहे हैं। पुलिस अब इनके खिलाफ आगे की कार्रवाई कर रही है। यह मामला सिविल लाइन थाना के कटोरा तालाब इलाके का मामला है। दरअसल, सोमवार सुबह सिविल लाइन के डिवाइन कैफे में चंगाई सभा का आयोजन किया गया था। सभा में 100 से 150 लोग शामिल हुए। इसकी जानकारी हिंदू संगठन के योगेश बरिहा को मिली। इसके बाद योगेश बरिहा हिंदू संगठन के कार्यकर्ता के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने कैफे में लोगों को बहला-फुसलाकर धर्म परिवर्तन कराने का आरोप लगाया। शिकायतकर्ता योगेश बरिहा ने पुलिस को बताया कि उन्हें अपने एक परिचित से जानकारी मिली थी। उन्होंने कहा कि ईसाई समुदाय के सैफिन मसीह, अमीन क्रिश्चियन, जैकब दास, श्रीकांत मनहर और उदय प्रसाद मिलकर धर्मांतरण का काम करते हैं। शिकायतकर्ता के अनुसार, ये लोग कटोरा तालाब स्थित डिवाइन कैफे में सभा आयोजित करते हैं और लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए ब्रेन वॉश करते हैं। सूचना मिलने पर वह अपने साथियों के साथ सभा में जाकर बैठ गया। सभा में आरोपियों ने अपना परिचय दिया और बताया कि यह कार्यक्रम बलौदाबाजार के जैकब दास ने आयोजित कराया है। शिकायतकर्ता योगेश बरिहा के अनुसार सभा के दौरान आरोपियों ने ईसाई धर्म का प्रचार किया और उसे सबसे बड़ा धर्म बताया।

ससुर से अलग रहने की जिद बनी काल पति-पत्नी ने एक ही फंदे से लगाई फांसी

रायपुर,2 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक नवविवाहित जोड़े ने आपसी विवाद के बाद एक ही फंदे से लटककर अपनी जान दे दी। घटना सरकंडा थाना क्षेत्र के सीपत रोड स्थित सूर्या चौक की है। जानकारी के अनुसार, जयरामनगर परसदा निवासी प्रकाश यादव (26 वर्ष) की शादी करीब एक साल पहले गतौरी की रहने वाली पूर्णिमा यादव (22 वर्ष) से हुई थी। दोनों चिंगराजपारा के कदमपारा में किराए के मकान में रहते थे। प्रकाश पेशे से मजदूर था। बताया जा रहा है कि पूर्णिमा अपने ससुर दिलहरण यादव से अलग रहना चाहती थी, जिसे लेकर पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता रहता

था। रविवार रात भी इसी बात पर दोनों के बीच तीखी बहस हुई। विवाद इतना बढ़ा कि दोनों अलग रहने के लिए राजी हो गए और अपना सामान भी पैक कर लिया। सामान समेटने के बाद दंपति घर से बाहर निकले। लोगों को लगा कि वे कहीं घूमने या शिफ्ट होने जा रहे हैं, लेकिन देर रात पटवारी प्रशिक्षण केंद्र के पास एक नीम के पेड़ पर दोनों के शव लटके मिले। हैरान करने वाली बात यह रही कि दोनों ने एक ही कपड़े (फंदे) का इस्तेमाल कर फांसी लगाई थी।

बिलासपुर जोन से चलेगी 8 होली स्पेशल ट्रेनें

बिलासपुर,02 मार्च 2026। होली पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर जोन से 14 फेरों के लिए 8 होली स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ से होकर गुजरने वाली 56 फेरों की होली स्पेशल ट्रेनों का संचालन भी किया जाएगा। इससे छत्तीसगढ़ समेत महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार जैसे सात राज्यों के यात्रियों को कंफर्म बर्थ की सुविधा मिलेंगी।

जबकि रेलवे ने होली के दिन दुर्ग-रायगढ़-दुर्ग के बीच होली मेमू पैसेंजर स्पेशल ट्रेन को नहीं चलाने का फैसला लिया है। दरअसल,होली के मौके पर बाहर काम करने वाले लोगों के घर लौटने का सिलसिला तेज हो गया है। इसके कारण ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ लगातार बढ़ रही है। हालात यह हैं कि नियमित रूप से चलने वाली ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट 250 से 300 तक पहुंच गई है। वहीं, कई ट्रेनों में यात्रियों को खड़े होकर सफर करना पड़ रहा है और पैर रखने तक की जगह नहीं बची है। ऐसी स्थिति को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने यात्रियों को राहत देने और कंफर्म बर्थ की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए होली स्पेशल ट्रेनों के संचालन का निर्णय लिया है।

दंतेवाड़ा के 'छू लो आसमान' हॉस्टल में 10वीं के छात्र ने की खुदकुशी,सुसाइड नोट में चौंकाने वाला खुलासा

दंतेवाड़ा,02 मार्च 2026। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले के बालूद स्थित प्रतिष्ठित 'छू लो आसमान' आवासीय छात्रावास से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहाँ 10वीं कक्षा में पढ़ने वाले एक होनहार छात्र ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। सोमवार तड़के हुई इस दुःखद घटना ने न केवल छात्रावास के छात्रों और प्रबंधन को स्तब्ध कर दिया है,बल्कि पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। पुलिस इस मामले को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए हर सूक्ष्म पहलू की गहन जांच कर रही है ताकि इस आत्मघाती कदम के पीछे छिपे कारणों का खुलासा हो सके। मृतक छात्र की पहचान नेरली गांव के निवासी सोन कुमार तेलाम के रूप में हुई है, जो इसी सत्र में अपनी बोर्ड परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। घटना का

पता तब चला जब सुबह करीब 4 बजे हॉस्टल के अन्य छात्र रोजमर्रा की दिनचर्या के लिए उठे। जैसे ही छात्र सीढ़ियों की ओर बढ़े,उन्होंने ऊपरी हिस्से में सोन कुमार को उसके अपने गमछे के सहारे फंदे से लटका हुआ पाया। यह खौफनाक मंजर देखते ही छात्रों में चीख-पुकार मच गई और तत्काल हॉस्टल अधीक्षक व प्रबंधन को इसकी सूचना दी गई। इस मामले में सबसे विचलित करने वाला तथ्य छात्र के हाथ पर लिखा एक संदेश है। सोन कुमार ने मरने से पहले अपने हाथ पर पेन से स्पष्ट अक्षरों में लिखा था–'अलविदा दोस्तों,ये मैं अपनी मर्जी से कर रहा हूं,किसी को परेशान न करें।' छात्र द्वारा अपनी हथेली को सुसाइड नोट की तरह इस्तेमाल करना यह दर्शाता है कि उसने यह कदम बेहद तनाव या किसी गहरे मानसिक द्वंद्व में उठाया था।

हालांकि,संदेश में उसने किसी पर आरोप नहीं लगाया है,लेकिन पुलिस इसे हैंडराइटिंग मिलान के लिए फॉरेंसिक जांच का हिस्सा बना रही है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)